

R.N.I. No. 53577 /1991  
Postal Regn. No. DL(C)01/1160/2019-2021  
Published on July 19, 2021

Government of India. **India 2021**. Delhi, Ministry of Information and Broadcasting; 2021: 799 p.

India 2021 Year Book is a reference book, having all the information of the central government schemes, programmes and policies. Information of states and UTs are also included in the book. It deals with all aspects of development – from rural to urban, industry to infrastructure, science and technology to art and culture, economy, health, defence to education and mass communication. It also includes general knowledge, current affairs, sports and important events.

Hall, Budd L. and Tandon, Rajesh (eds.). **Higher Education: International Perspectives on Knowledge Democracy**. Leiden, Brill Sense; 2021: 331p.

The book Higher Education: International Perspectives on Knowledge Democracy shares the experiences of a broadly representative and globally dispersed set of writers on higher education and social responsibility, broadening perspectives on the democratization of knowledge. The editors have sought examples and viewpoints from parts of the world that are rarely heard in the international literature. The book achieves a gender and diversity balance among the contributors. The stories call us to take back the right to imagine and reclaim the public purposes of higher education.

Helpage India and Ipsos Research Private Limited. **The silent tormentor: covid 19 and the elderly – The HelpAge India Report 2021**. Gurugram, Ipsos Research Private Limited; 2021: 70p.

This report throws light on areas that need focus and some aspects that need preparation, as we progress as a nation. The report has four sections, which looks into how elders responded to the COVID complications - both in a household setting and in a formal/institutional setting (old age homes), and how their caregivers felt about the COVID challenge and its impact on their ability to care for the elderly, across formal/institutional and informal settings. The one thing that stands out across the report both among elders in informal and formal settings is that, elder abuse continues to remain a major area of concern. Its attributes are seeing some changes for instances, this year, verbal abuse has increased across household settings.

It may be on account of the pressures of working from home which has restricted the space that elders had earlier or the impact of job losses and the responsibility of elder care in such scenarios on care givers. Nevertheless, the percentage of elders reporting abuse remains high and that is a point of deep concern. What is however intriguing is that the elderly remain beacons of hope for a younger generation that has hit in terms

of their ability to think of a better future.

NITI Aayog. **SDG India Index and Dashboard 2020–21: Partnerships in the Decade of Action**. Delhi, NITI Aayog; 2021.

The index is the primary tool for monitoring progress on the SDGs (Sustainable Development Goals) in the country. The index represents the expression of the comprehensive nature of the Global Goals under the 2030 Agenda while being familiar to the national priorities. It estimates progress of States and UTs on the nature of the Goals, including health, education, gender, economic growth, institutions, climate change and environment.

United Nations Population Fund. **State of World Population 2021 - My Body is My Own**. New York, United Nations Population Fund; 2021: 164p.

The report highlights the emerging issues in the field of sexual and reproductive health and rights, bringing them into the mainstream and exploring the challenges and opportunities they present for international development. The report reveals how serious many of the shortfalls in bodily autonomy are; many have worsened under the pressures of the COVID-19 pandemic.

The report tells that:

- Only 55 per cent of women are fully empowered to make choices over health care, contraception and the ability to say yes or no to sex.
- Only 71 per cent of countries guarantee access to overall maternity care.
- Only 75 per cent of countries legally ensure full, equal access to contraception.
- Only about 80 per cent of countries have laws supporting sexual health and well-being.
- Only about 56 per cent of countries have laws and policies supporting comprehensive sexuality education.
- Twenty countries or territories have “marry-your-rapist” laws, where a man can escape criminal prosecution if he marries the woman or girl he has raped.
- Forty-three countries have no legislation addressing the issue of marital rape (rape by a spouse).
- More than 30 countries restrict women’s right to move around outside the home.

Girls and boys with disabilities are nearly three times more likely to be subjected to sexual violence, with girls at the greatest risk.

The report shows how efforts to address abuses can lead to further violations of bodily autonomy.

Compiled by Neha Gupta  
Librarian-cum-Documentation Officer

# IAEA NEWSLETTER

Vol. 30 No. 2 Re. 1 per copy April-June 2021 Total Pages 8



## Indian Adult Education Association

### अलविदा प्रोफेसर गर्ग

दिनांक 13 मई 2021 को वैश्विक महामारी शैक्षिक जगत विशेषरूप से समस्त प्रौढ़ शिक्षा परिवार को एक गहरा सदमा दे गई। इसी दिन भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के संरक्षक एवं प्रौढ़ शिक्षा जगत के पुरोधा और वटवृक्ष प्रोफेसर भवानी शंकर गर्ग इस नश्वर संसार को अलविदा कह गये। 93 वर्षीय प्रो. गर्ग जीवन के अंतिम क्षणों तक स्वस्थ, सजग और सक्रिय थे। उदयपुर स्थित अपने पैतृक निवास में स्वास्थ्य लाभ कर रहे प्रो. गर्ग मात्र कुछ ही दिनों पहले कोविड-19 से संक्रमित हुए और अचानक ही इहलोक छोड़ स्वर्ग को सिधार गये। 15 अगस्त 1928 को तत्कालीन सीतामऊ के एक छोटे से गांव भगोर में जन्मे प्रो. गर्ग ने अपने जीवन में शून्य से शिखर तक की यात्रा तय की। बचपन से ही एक कर्मनिष्ठ और स्नेहिल स्वभाव के धनी प्रो. गर्ग की शिक्षा और सामाजिक विकास में गहरी रुचि थी जिसे उन्होंने अपने सत्त पुरुषार्थ से सींचा और कतिपय अंशभव से दिखने वाले लक्ष्यों को भी सहज ही प्राप्त किया। मात्र 19 वर्ष की अवस्था में राजस्थान विद्यापीठ के एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में अपना व्यावसायिक जीवन प्रारंभ करने वाले प्रो. गर्ग ने अपनी समझ-बूझ, सृजनशीलता, दूरदर्शिता, कर्मठता और सभी को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति के कारण न केवल इसके चांसलर बने वरन् राजस्थान विद्यापीठ को देश के एक अग्रणी शैक्षिक संस्थान के रूप में स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण और निर्णायक योगदान दिया तथा स्वयं को भी शैक्षिक जगत के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में विकसित किया।



निभायी। 15 अगस्त 1994 से लेकर 4 अगस्त 2014 तक वे प. जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के चांसलर रहे। वे कई वर्षों तक साक्षरता निकेतन लखनऊ के प्रबंधन की सर्वोच्च ईकाई 'ग्रुप ऑफ फाइव' के सदस्य भी रहे। इतना ही नहीं उन्होंने विश्व के कई देशों यथा मिश्र, बेंकाक, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, टर्की, आस्ट्रिया, फ्रांस, नार्थ आयरलैंड, जर्मनी, चीन, ब्रिटेन और अमेरिका का कई बार दौरा कर वहां के शिक्षा व्यवस्था की गहनता, व्यापकता एवं उपादेयता को समझा। इस प्रकार व्यापक अनुभव और विलक्षण यादाश्त के धनी प्रो. गर्ग इस लंबे दौर में तमाम शिक्षाविदों के लिए एक ऐसे जीवंत संग्रहालय के रूप में विकसित हुए जो सभी अध्येताओं के लिए सहज उपलब्ध थे एवं विकास की सभी कड़ियों को चरणवद्ध तरीके से एक-दूसरे से जोड़ सकते थे। श्री जनार्दन राय नागर, डॉ. अमरनाथ झा, श्री एस.सी. दत्ता, सरदार सोहन सिंह, डॉ. मोहन सिंह मेहता, भाई भगवान जैसे अनेक मूर्धन्य विद्वानों से उनके सहज सरोकार रहे। भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, साक्षरता निकेतन लखनऊ और राजस्थान विद्यापीठ तीनों का मार्गदर्शन करते हुए प्रो. गर्ग ने प्रौढ़ शिक्षा के उन तमाम आयामों को विकसित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया जिसके कारण भारत में प्रौढ़ और आजीवन शिक्षा एक जन आन्दोलन का स्वरूप प्राप्त कर सका। प्रौढ़ और आजीवन शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदानों के मद्देनजर सन् 2003 में उन्हें प्रसिद्ध नेहरू साक्षरता पुरस्कार तथा वेल्दी फिशर सम्मान से सम्मानित किया गया।

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ से उनका संबंध सन् 1985 में प्रारंभ हुआ जब वे इसके उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। सन् 1988 से 2001 और 2011 से 2013 तक अध्यक्ष तथा 2014 से अपने जीवन के अंतिम क्षण तक वे संरक्षक की भूमिका में संघ के कार्य को अपना मार्गदर्शन प्रदान करते रहे। सन् 1947 से प्रारंभ हुए अपने सक्रिय अकादमिक जीवन में उन्होंने स्वाधीनोत्तर भारत के शैक्षिक जगत में हुए अभूतपूर्व परिवर्तनों के हर चरण में सक्रिय भागीदारी

प्रो. गर्ग के जीवन के तमाम पहलू भावी पीढ़ी को लंबे समय तक मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। अतः उनका गहन अध्ययन किया जाना आवश्यक होगा। ऐसे स्नेहिल और मूर्धन्य विद्वान का चला जाना भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। समस्त प्रौढ़ शिक्षा परिवार दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करता है।

Printed, Published & Edited by Dr. Madan Singh on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002. [Tel: 011-23379306 / 23378206 / 23379282 / 23378436 / 43489048]  
E-mail: iaeadelhi@gmail.com, Website: iaea-india.in

Editor: Dr. Madan Singh

## डॉ. एम.एस. राणावत का आकस्मिक निधन

एक स्वस्थ, कर्मठ एवं अनुशासित जीवन जीने वाले भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ के मानद निदेशक डॉ. मनोहर सिंह राणावत रोज की भांति दिनांक 10 अप्रैल 2021 को भी अपने निवास के निकट स्थित कार्यालय में नियमित कार्य में जुट गये। पर नियति को कुछ और ही मंजूर था। अचानक ही वे शारीरिक रूप से अत्यंत असहज महसूस करने लगे। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर मार्ग में ही उन्होंने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया। उनके आकस्मिक निधन का समाचार पाकर भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के सभी कार्यकर्ता स्तब्ध, दुःखित और सदमे में आ गये। स्वर्गवास से मात्र दो दिन पूर्व 8 अप्रैल 2021 को वे दिल्ली में थे और संघ के अध्यक्ष के नाते उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बातचीत की और उनका मार्गदर्शन किया। वापस लौटते हुए उन्होंने शीघ्र ही दोबारा आने का वायदा किया था पर विधि ने शायद कुछ और ही निर्धारित कर रखा था।



दिनांक 19 जुलाई 1949 को उदयपुर (राजस्थान) के कूचोली गांव के एक सम्राट परिवार में जन्मे डॉ. राणावत ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर से इतिहास विषय में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। तदुपरांत विक्रम

विश्वविद्यालय, उज्जैन से सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. रघुवीरसिंह के निर्देशन में सन् 1980 में उन्होंने "इतिहासकार गुहणोत नैणसी और उसके इतिहास ग्रन्थ" पर पी.एच.डी की।

अपने व्यावसायिक जीवन के दौरान डॉ. राणावत श्रमजीवी कॉलेज, अजमेर (राजस्थान), भारतीय अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के तहत सीतामऊ परियोजना तथा श्री नटनागर शोध संस्थान, सीतामऊ में कार्यरत रहे। वर्तमान में वे श्री नटनागर शोध संस्थान के मानद निदेशक थे। 11 मार्च 2000 को उन्होंने भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की आजीवन सदस्यता ग्रहण की। इसके बाद वे लगातार संघ की गतिविधियों में सक्रियता के साथ भाग लेते रहे। सन् 2008 से 2010 तक वे संघ के कोषाध्यक्ष और 2011 से 2020 तक उपाध्यक्ष रहे। इसी दौरान सन् 2019-2020 में उन्होंने भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व भी संभाला। 2021 में वे भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष निर्वाचित होने के साथ ही साथ साक्षरता निकेतन लखनऊ के प्रबंधन की सर्वोच्च ईकाई 'ग्रुप ऑफ फाइव' के सदस्य भी बने। एक प्रख्यात इतिहासकार के रूप में डॉ. राणावत ने अनेक पुस्तकें लिखी एवं कई पुस्तकों का संपादन किया जिन्हें अकादमिक जगत में वर्षों तक पढ़ा जायेगा।

डॉ. मनोहर सिंह राणावत जैसे कर्मठ व्यक्तित्व का यूं चले जाना परिवारजनों के साथ ही साथ अकादमिक जगत एवं भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के लिए भी अपूर्णीय क्षति है। हम सभी परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा के मोक्ष एवं शांति हेतु प्रार्थना करते हैं।

## नूतनेश चंद्र पंत का निधन

सन् 1990 से 1997 तक भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष रहे श्री नूतनेश चंद्र पंत भी अब हमारे बीच नहीं रहे। गत 21 अप्रैल 2021 को उनका स्वर्गवास हो गया। श्री पंत ने दिनांक 19 अक्टूबर 1978 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की आजीवन सदस्यता ग्रहण की थी। वे एक लम्बे समय तक संघ के सह-सचिव एवं संयुक्त सचिव रहने के पश्चात सन् 2005 से 2008 तक संघ के कोषाध्यक्ष भी रहे। एक अधिवक्ता के नाते सामाजिक विषयों के बारे में उनकी गहरी समझ थी जिसका उन्होंने आजीवन शिक्षा संस्थाओं के विकास में भरसक उपयोग किया। वे संघ की गतिविधियों में सपरिवार उत्साह के साथ भाग लेते रहे। समस्त प्रौढ़ शिक्षा परिवार दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करता है।



### भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की म.प्र. शाखा का पुनर्गठन

दिनांक 27 दिसंबर 2020 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली की मध्य प्रदेश शाखा का पुनर्गठन किया गया जिसमें श्री मृगाल पंत, अध्यक्ष, श्री नारायण चौहान, सचिव, सुश्री रेखा द्विवेदी, कोषाध्यक्ष तथा श्री योगेन्द्र मिश्रा, श्री रामदयाल झूरिया, डॉ. बी. एस. बघेल, श्री सत्यम सम्राट, श्री सहदेवसिंह चौहान, श्री सरबजीतसिंह गिल, श्रीमती मधु श्रीवास्तव एवं श्री आशीष बर्थवाल को सदस्य मनोनीत किया गया।

### श्रीमती इन्दिरा पुरोहित राजस्थान शाखा की संयोजक मनोनीत

हाल ही में श्रीमती इन्दिरा पुरोहित को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की राजस्थान प्रदेश शाखा का संयोजक नियुक्त किया गया। नवगठित प्रबन्ध समिति में डॉ. के.बी. शर्मा, डॉ. दामिनी चौधरी, डॉ. सुभाष पुरोहित एवं श्री श्याम महर्षि को उपाध्यक्ष, इ.आर. अब्दुल अजीज खान को कोषाध्यक्ष, श्री दीपक कुमार योगी, श्री आशीष नंदवाना, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, सुश्री शगुप्ता खान, श्री बलवन्त सिंह चिराना, डॉ. रामेश्वरी चौधरी एवं श्री सज्जन राज मेहता को सचिव तथा श्रीमती नीलम आजाद, डॉ. बीना सिंह, डॉ. सीमा कश्यप, श्रीमती रचना सिद्धा, डॉ. मदन लाल शर्मा, श्री आर. पी. गुप्ता, डॉ. रमेश शर्मा, डॉ. करुणा जोशी एवं श्री रमेश कुमार यादव को सदस्य के तौर पर नियुक्त किया गया।

## SDG India Index 2020-21 released by NITI Aayog

The third edition of the SDG India Index 2020-2021 report was released by NITI Aayog on June 3, 2021. This report has been developed by NITI Aayog in collaboration with the United Nations India to track the progress of all states and Union Territories (UTs) towards achieving Sustainable Development Goals 2030. The progress made by the states is tracked on 115 indicators aligned to the Ministry of Statistics and Programme Implementation's National Indicator Framework (NIF) covering 70 SDG targets reflecting upon 16 out of the 17 SDG Goals. The Goal wise scores on the 16 SDGs for each State and Union Territory have been computed between ranges 0-100, and if a State/UT achieves a score of 100, it signifies it has achieved the 2030 targets. The higher the score of a State/UT, the greater the distance to target achieved. Accordingly, States and Union Territories are classified into Aspirant (0-49), Performer (50-64), Front-Runner (65-99) and Achiever (100). Consequently it has become the primary tool for monitoring progress on the SDGs in the country.

NITI Aayog's think tank working on the subject has hailed this to be an improvement over the 2018-19 and 2019-20 editions of the index, which had utilized 62 indicators across 39 targets and 13 Goals, and 100 indicators across 54 targets and 16 Goals, respectively.

The 2020-21 index showed that the country's overall SDG score has improved by six points from 60 in 2019 to 66 in 2020. The positive change is largely driven by exemplary nationwide performance in Goal 6 (clean water and sanitation) and Goal 7 (affordable and clean energy). As per the report Kerala is leading with a score of 75 followed by Himachal Pradesh and Tamil Nadu (74 each), Andhra Pradesh, Goa, Karnataka and Uttarakhand (72 each), Sikkim (71) and Maharashtra (70).

The worst-performing states and UTs include Chhattisgarh, Nagaland and Odisha with a score of 61 each

followed by Arunachal Pradesh, Meghalaya, Rajasthan and Uttar Pradesh (60), Assam (57), Jharkhand (56) and Bihar (52).

Few states have performed excellently with respect to specific goals. They are as follows:

Goal 1 (no poverty): Tamil Nadu and Delhi

Goal 2 (zero hunger): Kerala and Chandigarh

Goal 3 (good health and well-being): Gujarat and Delhi

Goal 4 (quality education): Kerala and Chandigarh

Goal 5 (gender equality): Chhattisgarh and Andaman and Nicobar Islands

Goal 6 (clean water and sanitation): Goa and Lakshadweep

Goal 7 (affordable and clean energy): Andhra Pradesh, Goa, Haryana, Himachal Pradesh, Karnataka, Kerala, Maharashtra, Mizoram, Punjab, Rajasthan, Sikkim, Tamil Nadu, Telangana, Uttarakhand, Uttar Pradesh, Andaman and Nicobar Islands, Chandigarh, Delhi, Jammu and Kashmir and Ladakh

Goal 8 (decent work and economic growth): Himachal Pradesh and Chandigarh

Goal 9 (industry, innovation and infrastructure): Gujarat and Delhi

Goal 10 (reduced inequality): Meghalaya and Chandigarh

Goal 11 (sustainable cities and communities): Punjab and Chandigarh

Goal 12 (responsible consumption and production): Tripura, Jammu and Kashmir and Ladakh

Goal 13 (climate action): Odisha and Andaman and Nicobar Islands

Goal 14 (life below water): Odisha

Goal 15 (life on land): Andhra Pradesh and Chandigarh

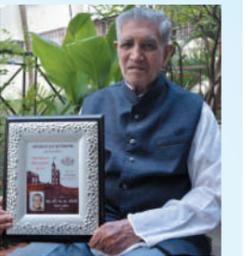
Goal 16 (peace, justice and strong institutions): Uttarakhand and

Puducherry, Mizoram, Haryana, and Uttarakhand are the top gainers in 2020-21 index compared to 2019, with an increase of 12, 10 and 8 points, respectively. In 2019, 10 states and UTs belonged to the category of Front-Runners while this time 12 states and UTs made it to the category.

## A huge recognition to the work done by Dr. N.M. Joshi

Dr. N.M. Joshi, a renowned teacher and Professor of Education got retired from Tilak College of Education, Pune. He is known as a multilingual author and proficient orator in many languages specially English, Marathi, Hindi, Sindhi, Sanskrit and French. To his credit there are 64 books published in Marathi most of which are focused towards the holistic development of children. He is also known for his continued effort to enrich children's literature and inculcation of values through effective story-telling. Recently, he has been felicitated by many notable institutions for his work directed towards

development of the children. On January 10, 2021 he was felicitated by Akhil Bharatiya Marathi Bal-kumar Sahitya Sanstha for this. On February 10, 2021 he was also awarded with the Jeevan Gaurav Award by Savitribai Phule Pune University and on May 27, 2021 he received the Jeevan Gaurav Puruskar from Maharashtra Sahitya Parishad, Pune. Dr. N. M. Joshi is also a Life Member of the Indian Adult Education Association.



## Sakti Da is no more

Shri Sakti Pada Mandal popularly known as Sakti Da is no more. He got infected with Covid-19 and left this world for heavenly abode on May 6, 2021 at the age of 72. Sakti Da was a pioneering figure in the sphere of literacy and lifelong learning, a dedicated social worker, writer and scholar and of course one of the main pillars of mass education and literacy movement in West Bengal. During 70s he actively participated in the land reforms movement going on in the rural areas of West Bengal and played a lead role in eradicating the

superstitious witch-hunting tradition prevailing in the tribal regions of Purulia. He had the privilege of working closely with great leader Shri Sayten Maitra both in the Bengal Social Service League and the State Resource Centre, Kolkata. Later on, after the demise of Shri Maitra, he established the Satyen Maitra Janasiksha Samiti and continued working at the grassroots level with the vision of holistic development through literacy. He left no stone unturned and travelled extensively to almost all the districts of Bengal for the successful implementation of

various literacy related programmes such as NAEP, DPEP, NLM, Sarva Shiksha Abhiyan to name a few. His scholarly contributions in the form of books, especially the Jana-Siksha: Dharona o Rupayon (Mass Education: Conception and Implementation, in Bengali), articles on literacy, mass education, lifelong learning and numerous speeches delivered in public forums mark his in-depth knowledge, passion and dedication.

It was on August 20, 1988 Sakti Da took the Life Membership of the Indian Adult Education Association



and became a regular participant in all its national activities. As an ever-welcoming and down to earth personality Sakti-da will continue to live through his work and the lives he touched in his personal and professional spheres. The Indian Adult Education Association expresses deep condolences for the departed soul.

## Centenarian Shri Dwariko Sundarani Passed Away



Centenarian Shri Dwariko Sundarani, a recipient of prestigious Jamna Lal Bajaj Award passed away on March 31, 2021 at his residence in Bodh

Gaya, Bihar. Born in Larkana, now in Sindh State of Pakistan he migrated to India at the early age of 18 years only. As an individual committed to the cause of social and community development he worked tirelessly for the welfare of downtrodden, unprivileged and persons having rudimentary or no literacy skills. Non-formal education was his prime tool for raising the quality of life of rural

people and providing education to their children. He had the opportunity to work with Mahatma Gandhi, Sant Vinoba Bhawe, Jai Prakash Narayan, Sundar Lal Bahuguna and many other eminent personalities of national and international repute.

He was the founder and managing trustee of "Samanvay Ashram" Bodh Gaya and an Institutional Member of Indian Adult

Education Association, New Delhi. Inspired by the activities of Netra Jyoti Parivar, Bhansali Trust of Gujarat he organized numerous Eye Cataract Operation camps during last three decades benefiting almost 4 lakh people. His services were recognized not only within the state but at national level too. His Holiness "the 14th Dalai Lama" too used to appreciate his services on many occasions.

## Avik Ghosh died peacefully in sleep

Avik Ghosh, son of the late Dr K.K. Ghosh of Calcutta, died peacefully in his sleep early in the morning on April 13, 2021 at his home on the banks of the Ganges near Rishikesh.

The youngest of five brothers, Avik was the only one, after schooling at St. Xavier's, to move to Delhi at a young age for his studies at St. Stephen's College. As for many of his generation, his five years in residence there were to have an immeasurable impact on him for the rest of his life, and the friendships he formed remained steadfast over almost

six decades, with many of his closest friends and their families also forming strong bonds with his wife Akhila, and their sons.

He studied at the Delhi School of Economics during its heyday as an institution for research and teaching in left-wing economic theory and history, and was taught by, among others, Amartya Sen and Joan Robinson. Strongly influenced by the Keynesian, Marxist, and Naxalite atmosphere of his student circles, he remained committed to the cause of egalitarian social justice throughout his life.



Following his M.A. after a brief period as a producer with All India Radio's youth section—during which he formed lasting ties of mutual respect with a number of artists, writers, and musicians who would go on to reach some prominence—he was one of the founding members of the Centre for the Development of Instructional Technology (CENDIT).

Established in 1972 by a group of like-minded idealists in Delhi, Avik Ghosh, Akhila Iyer

(later Ghosh), Anil Srivastava, Rajive Jain, Joya Roy, Himadri (Jackie) Dhanda, Robert Tyabji, and Narendra Rana, CENDIT went on to be one of the prominent NGOs engaged in developing technologies for social change.

इसी अवधि में हमारे मध्य प्रदेश के सम्मानित आजीवन सदस्य श्री रामेश्वर चौहान, श्री पुरुषोत्तम पंचोली एवं श्रीमती दमयन्ती बुले तथा राज्य संसाधन केन्द्र, जामियां मिलिया इस्लामियां, नई दिल्ली के निदेशक श्री शहजाद हुसैन का भी निधन हो गया। संघ की ओर से भावभीनी श्रद्धांजली।

## Workshop to prepare Training Manual for Childcare



Gandhigram Creche and Children's Project run by the Department of Lifelong Learning and Extension, Gandhigram Rural Institute along with Shakti Vidiyal, Madurai organized a workshop on March 24-25, 2021 at Faculty Guest House, GRI for preparing a training manual for childcare. The workshop was participated by 23 persons including 13 Resource Persons associated with both non-governmental and governmental organizations working in the area of Child Rights and Children's Development. Most of the participants were from the districts of Dindigul, Madurai and Coimbatore. The workshop primarily focused on recording memorable childhood experiences of the participants through participatory and activity oriented sessions so that a comprehensive training manual for the functionaries and institutions working in the area of child and adolescent care and their development can be prepared.

At the very outset of the workshop all the participants were welcomed by



Dr. L. Raja, Professor and Head, Department of Lifelong Learning, Dean of the School of Health Sciences and Rural Development and the Principal

Coordinator of Gandhigram Crèche and Children's Project. Addressing the audience he highlighted the theme and many fold objectives of the workshop. Inaugural address was delivered by Dr.



R. Venkataravi, Associate Professor and Member, Board of Management of GRI who emphasized on the primary and secondary environment that plays a significant role in child's development. Dr. Jim Jesudoss, Executive Director of Shakti Vidiyal, Madurai detailed the session-wise structure of the workshop and helped the participants to form four different groups to record the happiest experience, most unhappy experience and an unforgettable incident of their childhood as well as their best teacher in school. This was followed by "Fun with Pillow", a role play. Thereafter, the participants were invited for a couple of brainstorming sessions in which the basic structure of the said training manual for 0-14 and 15-18 age group was prepared.

The technical assistance needed for smooth running of the workshop was provided by Dr. M. Sankaramoorthy, Technical Assistant and Shri P. Venkatesh, Multi-media Technician.

## Dr. L. Raja becomes the President of IAEA

Due to sudden demise of Dr. M. S. Ranawat on April 10, 2021 the office of President, IAEA became vacant and process for electing new President in accordance with the



Rules and Regulations of the Association was set in motion. Consequently, Dr. L. Raja, one of the five elected Vice Presidents of IAEA was unanimously elected as the President of Indian Adult Education Association, New Delhi for the remaining period. Dr. Raja is Professor and Head of the Department, Lifelong Learning & Extension, Gandhigram Rural Institute (Deemed to be University), Dindigul, Tamil Nadu. He will occupy the post till 31.12.2024

## Prof. Rajesh becomes HOD for the Second Term



Prof. Rajesh, Department of Adult, Continuing Education & Extension, University of Delhi and the Vice President of Indian Adult Education Association has been appointed as the Head of the Department for a term of 3 years with immediate effect from March 15, 2021. He brings a wealth of experience to his new role of providing strategic leadership to the department looking for re-designing of the Master's in Lifelong Learning & Extension course in tandem with the New Education Policy 2020, developing a Learning-Outcomes Based Curriculum Framework (LOCF) for the undergraduate programme, fostering national and international partnerships for increasing scope of internships and employability for its students.

# One Day International Webinar on “Leveraging the Role of Higher Education in Lifelong Learning & Extension”

The Department of Adult, Continuing Education and Extension (DACEE), University of Delhi organized an international webinar on “Leveraging the Role of Higher Education in Lifelong Learning & Extension for Sustainability: An Analysis within the Scope of New Education Policy 2020” on May 28, 2021. The webinar was addressed by Prof. P.C. Joshi, Vice-Chancellor, University of Delhi, Prof. Paed. Søren Ehlers, from Denmark, Europe; Prof. Vandana Chakrabarti, former Pro Vice-Chancellor, SNDT Women’s University, Mumbai; Prof. L. Raja, Director & Head, Gandhigram Rural Institute, Tamil Nadu and also the President of Indian Adult Education Association, New Delhi and Prof. S.Y. Shah, Director, International Institute of Adult & Lifelong Education, New

Delhi. It was participated by a large number of scholars, faculty members of various higher education institutions, research scholars and students enrolled at national universities. The webinar was convened by Prof. Rajesh, Head of Department, DACEE while Ms. Parinita gave a brief introduction about the intent and objective of the webinar.

Speaking on the occasion Chief Guest Prof. P.C. Joshi emphasized on the importance of lifelong learning which has been further strengthened by its inclusion as a central feature of 2030 Agenda for Sustainable Development, where in Goal 4 calls for “ensuring inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all”. He said that the committee instituted for the Implementation of New Education Policy 2020 has also emphasized the role of lifelong learning and multidisciplinary research/innovation in higher education. Recognition of Prior Learning (RPL) and channelizing the informal/non-formal learning, in accordance with formal learning along with enablement of global credit transfers has also been identified as priority sector.

Prof. Søren Ehlers described lifelong learning as a transnational policy tool and provided methodological reflections upon it using the Ehler’s Box Model (2019). He reflected upon the need for a horizontal-vertical integration of a teaching-learning regime.

Prof. Vandana Chakrabarti primarily embarked upon the idea of sustainability (stemming from Sustainable Development Goals), lifelong learning in the context of New Education Policy 2020 and leveraging the role of higher education in lifelong learning. She reiterated the need of holistic education for realization of sustainable development and the transformative power of lifelong learning.

Prof. L. Raja enlightened the gathering about the exceptional work carried out by Gandhigram Rural

Institute in the area of lifelong learning and extension. He reiterated that the institute effectively bridges the cognitive and practical dimensions, and focuses on the holistic development of learners, with an emphasis on skill development through value-based education, rooted in indigenous cultures and traditions. He added that the working philosophy of GRI is based on Mahatma Gandhiji’s idea of bottom to up approach. Further, he stressed upon the need to have an apex body of adult education and lifelong learning at the national level, which can help leverage as well as establish linkages with other institutions for vocational training, human resources, infrastructural support and so on.

Prof. S.Y. Shah accentuated certain aspects of the New Education Policy 2020, which mainly endorses the role of higher education in promotion of lifelong learning. He touched upon the fact that out of 1000 universities in India, only 12 universities offer Master’s programme in Lifelong Learning. Moreover, Professor S.Y. Shah specified nuances of the New Education Policy 2020 that mention a one-year Master’s degree programme and a four-year undergraduate programme. He proposed to launch an undergraduate programme for the discipline of Lifelong Learning (starting with University of Delhi colleges) which caters to the evolving needs of the market, for optimizing employability prospects of students. He also underlined the need to have a multiple entry-exit option in consonance with the New Education Policy 2020, as part of the Learning Outcomes Based Curriculum Framework (LOCF) for the undergraduate level programme.

The webinar was concluded with endorsing few important recommendations for future plan of action. Shri Rahul Yadav, Assistant Professor, DACEE, extended vote of thanks to all the invitees and participants on behalf of the Department.

- Parinita Batra

The poster features the University of Delhi logo and the Department of Adult, Continuing Education & Extension (DACEE). It lists the following participants:

- Chief Guest:** Prof. P. C. JOSHI, Vice-Chancellor, University of Delhi.
- Guest of Honour:** Prof. K. PARTHASARTHY, Vice-Chancellor, Tamil Nadu Open University.
- Distinguished Speakers:**
  - Dr. Paed. Søren Ehlers, Aarhus University, Denmark.
  - Prof. Vandana Chakrabarti, Former Pro Vice-Chancellor, SNDT Women's University.
  - Prof. S. Y. Shah, Director, International Institute of Adult & Lifelong Education (IAEA).
  - Prof. L. Raja, President, Indian Adult Education Association (IAEA).
- Technical Support:** Rameshwar Gupta, M.Phil. Scholar, DACEE, DU.
- Moderator:** Prof. Rajesh, Departmental Head, DACEE, DU.

The event was held on **28th May, 2021** from **04:00 PM - 05:30 PM** via Google Meet. The poster also includes a QR code and the website [www.dacee.du.ac.in](http://www.dacee.du.ac.in).

## Obituary

### Professor H.S.Bhola (1932-2021) is no more

Professor H.S. Bhola was one of the renowned scholar in the field of Adult Education who passed away at his home in Indiana (USA) on April 9, 2021. After his Master’s Degree in English Literature and History from Panjab University, he did MS in Education from Indiana University followed by Ph.D from Ohio State University. He started his professional career as Deputy Director of Literacy House, Lucknow in 1966

and subsequently worked as a UNESCO Consultant in East Africa for about two years and then joined the Department of Educational Leadership and Policy Studies at Indiana University, USA as a Faculty Member and served for nearly three decades. He was closely associated with several projects and programmes of UNESCO and published a large number of papers and books. He received the Sixth International

Award for Literacy Research of the UNESCO Institute for Lifelong Learning for his work “Sign Post to Literacy for Sustainable Development” co-authored with Sofia Valdivielso Gomez in 2008. He was closely associated with the Indian Adult Education Association and took keen interest in the activities of IAEA and served as a Distinguished Professor at the International Institute of Adult and Lifelong



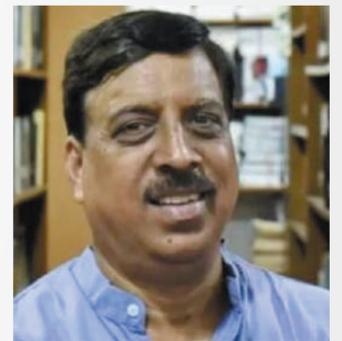
Education, New Delhi during 2002-2021. In view of his manifold contributions to the field of Adult Education, IAEA honoured him with Nehru Literacy Award in 2013.

### Departure of a Devoted RTE Activist

Shri Ambarish Rai was a well known social activist who died on May 28, 2021 at Dr. B.R. Ambedkar Hospital in South Delhi due to Covid-19 like symptoms. He dedicated more than a decade of his life to the cause of primary education and the Right to Education Act. He often used to discuss and consult the Office Bearers of IAEA on issues pertaining to education, community and social

development. Born in Mau, Uttar Pradesh Shri Rai studied at Lucknow University where he actively participated in student activism and had been working on issues of human and democratic rights. Since 2010 he was working for Right to Education Forum (RTE Forum) as its National Convener. Shri Rai always advocated for the cause of students and refused to blame them for the

failures of schooling system that often failed to fulfill the basic requirements such as books and availability of teachers. He was a firm believer in no detention policy. At a time when the establishment is pushing for increased testing, learning outcomes, and more private participation, Rai continued to ask for more public funding and participation, especially for marginalized children and



their families. He will be always missed by his friends and activists in academic fraternity.

### Shri Mahbub-Ul-Alam passed away

Shri Mahbub-Ul-Alam, Associate Professor & Head of the Department of Lifelong Learning & Extension, University of North Bengal, Siliguri, West Bengal died on April 20, 2021. Shri Alam became a Life Member of IAEA on August 20, 1988 and used to take immense interest in the activities of IAEA. He was instrumental in

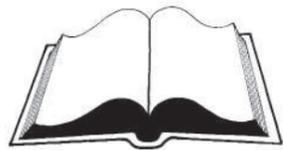
organizing a number of programmes and activities in the department for realizing the goal of adult and lifelong learning education. He also played a vital role in organizing the 63rd All India Adult Education Conference at Siliguri in the campus of the university itself. Recently he got elected as an Executive Member of

IAEA for the period of 2021-2024. Unfortunately, he left the journey in between. The sweet memories of that conference are still alive in mind of all participants of the conference.

IAEA deeply mourns the death and prays the Almighty God to give him peace and courage to his family members to bear



the great loss.



Day, Monimalika; Kaul, Venita and Sawhney, Swati Bawa (eds.). **Early Childhood Education for Marginalized Children in India: Deconstructing Quality.** Sage, 2021.

The book presents evidence-based approaches to developing and scaling up good quality early childhood education programmes. It explores what 'quality' means in the Indian context and identifies core elements that must be essential to all initiatives that aim to promote holistic development, while addressing India's significant scale and sociocultural diversity. The available literature has mostly discussed information from Western nations and the book attempts to address this gap.

Dok, Adrienne Monteath-van; Davis, Anthony and Frost, Nicholas. **Impact of Covid-19 on Adolescents' Education: Evidence briefing.** UK, Plan International; 2021: 32p.

This research highlights on the impact of COVID-19 on adolescents' education by bringing together quantitative and qualitative data sets to help us understand how adolescents, and particularly adolescent girls, have or have not been able to continue their education during the pandemic.

The findings of the study are:

- Nearly two-thirds of teachers were unable to teach remotely during lockdowns due to their own or their students' lack of connectivity or access to devices.
- Nearly nine in ten teachers reported fewer students attending online lessons compared with pre-pandemic school-based lessons.
- Fewer than a third of adolescents felt they learned as much at home as they would have in school.
- More than a year since the pandemic began, six in ten adolescents have not yet fully returned to education.

Maithreyi, R. **Educating Youth: Regulation through Psychosocial Skilling in India.** Sage, 2021: 296 p.

Educating Youth: Regulation through Psychosocial Skilling in India studies the rise in skill-based developmental interventions for young people that aim to harness youth potential. Tracing these changes to the neoliberalization of education and training globally, this book discusses how a range of training programs, from social and personality development skills to employability and vocational skills, seek to cultivate an ethic of self-responsibility through skilling, to overcome structural disadvantage among the marginalized youth.

**Compiled by Neha Gupta**  
Librarian-cum-Documentation Officer

Printed, Published & Edited by Suresh Khandelwal on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002. [Tel: 011-23379306 / 23378206 / 23379282 / 23378436 / 43489048]  
E-mail: [iaeadelhi@gmail.com](mailto:iaeadelhi@gmail.com), Website: [iaea-india.in](http://iaea-india.in)

Editor: Suresh Khandelwal

R.N.I. No. 53577 /1991  
Postal Regn. No. DL(C)01/1160/2019-2021  
Published on September 30, 2021

**भारतीय प्रौढ शिक्षा संघ**  
**Indian Adult Education Association**  
17-B, Shafiq Memorial, Indraprastha Estate, New Delhi-110002 (INDIA)  
Phone : 011-23379306, 23378436, 23379282, 23378206  
Grams: ADEDASSO, E-mail : [iaeadelhi@gmail.com](mailto:iaeadelhi@gmail.com)  
Website: [www.iaea-india.in](http://www.iaea-india.in)

F.No.IAEA/Adm/5-13-2/2021-22 September 30, 2021

**Notice**

Sir/Madam,

The meeting of the Council of Indian Adult Education Association will be held online on December 18, 2021 at 4:00 PM to consider the following agenda items:

1. Confirmation of the minutes of last meeting of the Council held on December 16, 2020
2. Action taken on the decisions of the meeting of the Council.
3. Any other business with permission of the Chair.

Kindly register yourself on 9891227000 (WhatsApp) so that the online link for the meeting can be shared with you. All the members of the Council are requested to attend the meeting.

(Suresh Khandelwal)  
General Secretary

To all the elected members of the Council and Co-opted members.

**भारतीय प्रौढ शिक्षा संघ**  
**Indian Adult Education Association**  
17-B, Shafiq Memorial, Indraprastha Estate, New Delhi-110002 (INDIA)  
Phone : 23379306, 23378436, 23379282 Tele/Fax : 23378206  
Grams : ADEDASSO, E-mail : [iaeadelhi@gmail.com](mailto:iaeadelhi@gmail.com)  
Web: [www.iaea-india.org](http://www.iaea-india.org), [www.iacle.org](http://www.iacle.org)

F.No.IAEA/Adm/5-13-2/2021-22 September 30, 2021

**Notice**

Sir/Madam,

The meeting of the General Body of Indian Adult Education Association will be held online on December 18, 2021 at 4:30 PM to consider the following agenda items:

1. Confirmation of the minutes of last meeting of the General Body.
2. Adoption of Annual Report of the Association for the year 2020. The Report can be seen on our Website: [www.iaea-india.in](http://www.iaea-india.in)
3. Adoption of Audited Statement of Accounts of the year 2020-21
4. Any other business with permission of the Chair.

Kindly register yourself on 9891227000 (WhatsApp) so that the online link for the meeting can be shared with you. All the members of the General Body are cordially invited to attend the meeting.

(Suresh Khandelwal)  
General Secretary

To all the members of General Body of IAEA.

# IAEA NEWSLETTER

Vol. 30 No. 3 Re. 1 per copy July-September 2021 Total Pages 12

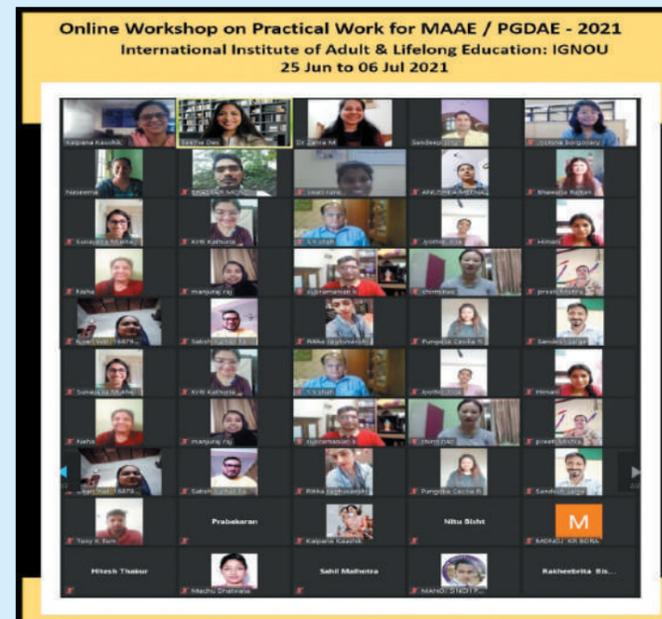


## Indian Adult Education Association

### IALE Conducted Twelve Days Online Workshop

IGNOU Study Centre 29049(P) under International Institute of Adult and Lifelong Education successfully organized a 12 days online workshop for all the first year students pursuing Master of Arts in Adult Education (MAAE) and Post Graduate Diploma in Adult Education (PGDAE) from June 25 to July 6, 2021 which was participated by 48 students – 26 from Delhi RC 2 and 22 from other RCs including Cochin, Shillong, Kolkata, Madurai, Shimla, Bhopal, Bangalore, Hyderabad and Trivandrum. The workshop covered all the important topics of study as prescribed in the curriculum designed specifically for the first year and also provided an opportunity to the participants to share their opinion and experience gained while doing community and institution based practical work.

1. Prof. S.Y.Shah, Director, International Institute of Adult and Lifelong Education/ former Professor JNU, New Delhi.
2. Prof. Rajesh, Head, Department of Adult Continuing Education and Extension, Faculty of Social Sciences, University of Delhi.
3. Dr. V.Mohankumar, Consultant, JSS Engineering College, NOIDA and former Additional Director, DAE & Director, IAEA.
4. Dr. M.V.Lakshmi Reddy, Associate Professor, School of Education, IGNOU, New Delhi.
5. Dr. Elizabeth Kuruvilla, Assistant Professor, School of Education, IGNOU, New Delhi.



Altogether there were 41 sessions which were covered by 22 Resource Persons coming from different universities and institutions:



6. Dr. Niradhar Dey, Assistant Professor, School of Education, IGNOU, New Delhi.
7. Shri C. Ajith Kumar, Assistant Professor, School of Education, IGNOU, New Delhi.
8. Dr. Uma Devi, Reader, Centre for Women's Studies, Sri Padmavati Mahila Visvavidyalayam, Tirupati, Andhra Pradesh.
9. Dr. Vandana Sisodia, Assistant Professor, Department of Adult, Continuing Education & Extension, Faculty of Social Science, University of Delhi.
10. Dr. Shikha Kapur, Associate Professor, Department of Adult and Continuing Education and Extension, Jamia Millia Islamia, Jamia Nagar, New Delhi.

11. Dr. Bani Bora, Founder Director, Centre For Social Change, Noida and Senior Fellow, IIALE, New Delhi.
12. Dr. Sayantan Mandal, Assistant Professor, Indian Institute of Technology, Jammu.
13. Dr. Vivek Nagpal, Senior Consultant, National Council for Teacher Education (NCTE), New Delhi.
14. Dr. Shalini Singh, Guest Researcher and Lecturer, Julius Maximilians University of Würzburg and Helmut Schmidt University, Hamburg, Germany.
15. Smt. Nandini Kajuri, former Director, State Resource Centre, West Bengal.
16. Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director, IAEA, New Delhi.
17. Shri M.L.Sharma, Deputy Director, IAEA, New Delhi.
18. Shri B. Sanjay, Research Officer, IAEA, New Delhi.
19. Smt. Neha Gupta, Librarian-cum-Documentation Officer, IAEA, New Delhi.
20. Shri Deepak Goswami, Senior Research Fellow, Department of Adult Continuing Education and Extension, University of Delhi.

21. Shri Nitish Anand, Senior Research Fellow, Department of Adult Continuing Education and Extension, University of Delhi.
22. Ms. Arunima Chauhan, Ph.D. Scholar, Department of Adult and Lifelong Education, Jamia Millia Islamia, New Delhi.

The workshop not only provided an opportunity for face-to-face interaction with peer group, academic counsellors and other resource persons but enabled them to gain practical exposure as well. During workshop all the students were given different assignments including drafting of a Memorandum of Association for registering NGO/Trust, development of Directory of Academicians and Resource Persons for professional networking, preparation of reading material and research proposal for undertaking self initiated research study and report writing. At the end feedback regarding different dimensions of workshop was also collected from the participating students.

Entire workshop was planned and conducted by Smt. Kalpana Kaushik, Programme In-charge and Shri Kripal Singh Mehra, Assistant, IGNOU Study Centre.

## EC Meeting of IAEA



The Executive Committee of Indian Adult Education Association met for the second time in the ongoing year on July 17, 2021 in virtual mode. This meeting was presided over by Dr. L. Raja, President and attended by 21 members including Shri K.C.Choudhary, former President and Shri S.C. Khandelwal, General Secretary. Smt. Rajashree Biswas, Vice President and Shri D. K. Verma, Co-opted Member could not attend the meeting and hence granted leave of absence. The meeting was facilitated by Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director and Shri Kripal Singh Mehra, Programme Associate, IAEA.

The meeting formally began with welcoming the members by the President and the General Secretary. Thereafter, the EC confirmed minutes of previous meeting held on March 19, 2021 at the headquarters of IAEA and endorsed the motion initiated to appoint Dr. L. Raja as

President of the Association. Apart from this, EC appreciated and approved the report of programmes and activities conducted during the period March 2021 to July 2021, awarded Life membership to one individual and constituted new Editorial Board for IAEA's regular publications.

The EC also expressed heartfelt condolence on the demise of a number of IAEA' office bearers, life members, well wishers and persons of eminence having close association with the Association including Prof. B.S.Garg, Dr. M.S. Ranawat, Shri M.U. Alam, Shri N.C. Pant, Dr. Avik Ghose, Shri Shahjad Hussain, Shri Dwariko Sundrani, Shri Sunder Lal Bahuguna, Shri Ambrish Rai, Smt. Damyanti Bule, Shri Purushotam Puncholi, Prof. P. Joseph, Shri Sanjay Pal and Smt. Prabha Mehra. The EC observed silence for the peace of all the departed souls.

**"As we celebrate International Literacy Day, UNESCO would like to invite all actors around the world, in the field of education and beyond, to mobilize for the literacy of young people, adults and women. So that they, too, can have the right to dream and be free."**

**– Audrey Azoulay, UNESCO Director General**  
on the occasion of International Literacy Day 2021



## Felicitation Programme at JSS Shimoga



JSS Shimoga organized a ceremonial programme to felicitate the successful beneficiaries of its vocational training courses on August 17, 2021 in its own campus which was inaugurated by Shri Rajeev Chandrashekar, Hon'ble Minister of State for Skill Development and Entrepreneurship and Electronics and Information Technology, Govt. of India by lighting the ceremonial lamp. The programme was also graced by the presence of Shri K.S Eshwarappa, Hon'ble Minister of Rural Development and Panchayat Raj and Shri Araga Jnanendra, Hon'ble Home Minister, Government of Karnataka who handed over certificates to the successful beneficiaries.



An Exhibition-cum-Sale for the products prepared by its beneficiaries was also organized simultaneously which was presided over by Sri B.Y.Raghavendra, Member of Parliament, Shimoga. Along with local residents this exhibition was also visited by Shri Sanjeev Matandur, MLA, Puttur; Shri Ashok Nayak, MLA, Shimoga Rural; Shri Rudregowda and Smt. Bharathi Shetty, both Member of Legislative Council and Shri Gurusurthy, President, Malnad Area Development Board.

Smt. S.Y.Aruna Devi, Director, Jan Shikshan Sansthan welcomed all those present in the programme and delivered the vote of thanks.

## केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय : व्यावसायिक प्रशिक्षण देने हेतु सहमति पत्र पर हस्ताक्षर

दिनांक 14 जुलाई 2021 को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर और निदेशालय साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के बीच एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गये। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रोफेसर आर.पी. सिंह एवं निदेशालय की ओर से निदेशक डॉ. भंवर लाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विभाग के संयुक्त निदेशक श्री कैलाश कुमार कलाकार, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. राजकुमार शर्मा एवं सहायक परियोजना अधिकारी श्री राजेन्द्र जोशी भी उपस्थित रहे।

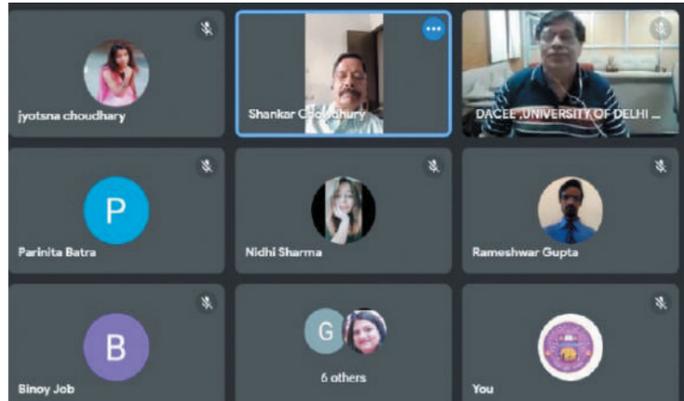
इस सहमति के अनुसार विश्वविद्यालय एवं सरकार के संबद्ध विभागों द्वारा नवसाक्षरों को साक्षरता के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण (वोकेशनल एजुकेशन) भी प्रदान की जाएगी। नवसाक्षरों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने की दृष्टि से की गयी इस



उल्लेखनीय पहल में विभाग के अतिरिक्त निदेशक सुश्री कौशल्या सांकृत्य एवं बीकानेर के ए.पी.ओ. श्री राजेन्द्र जोशी की विशेष भूमिका रही।

**Department of Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi: Recent Initiatives**  
**Discussion on Adolescent Reproductive Health & Rights**

Focusing on the theme "Rights and Choices are the Answer: Whether baby boom or bust, the solution to shifting fertility rates lies in prioritizing all people's reproductive health and rights" specified for World Population Day 2021 a webinar was organized by DACEE on "Adolescent Reproductive Health & Rights" on July 12, 2021 to celebrate World Population Day and mark the observance of World Population Week. The discussion was led by Dr. Shankar Choudhary, Former Consultant, UNESCO Expert in Community & Mental Health and presided



over by Prof. Rajesh, Head, DACEE. Normally World Population Day is observed on 11th of July every year. Initiating the discussion Dr. Shankar Choudhary at

first detailed the importance of Cairo International Conference on Population & Development (1994) which turned to be a turning point in history of population

conferences and enlarged the scope of policy discussions beyond family planning. Thereafter, he enlightened the participants about human rights pertaining to sexuality & reproduction under four major components – sexual health, sexual rights, reproductive health and reproductive rights. He also underlined the strategy adopted for the promotion of health while accommodating some of the major changes which occur during adolescence period including emotional, physical and psychological.

**Lifelong Learning Policy in Higher Education: Drawing Perspectives from New Education Policy 2020**

Another webinar titled "Lifelong Learning Policy in Higher Education: Drawing Perspectives from New Education Policy 2020" was organized on July 22, 2021 which was also convened by Prof. Rajesh. Other speakers who shared their views on the occasion were Prof. Pankaj Arora, Director, Institute of Lifelong Learning & Professor of Education and Prof. Vandana Chakrabarti, Ex Pro Vice Chancellor of SNDT Women's University, Mumbai. At the very outset Prof. Rajesh acknowledged the presence of distinguished guests and underlined the importance of lifelong learning for creating a worldwide knowledge society as emphasized in Goal 4 of SDG 2030 which calls for "ensuring inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all". Referring to some of the recent trends in the field of education like micro learning, digital credentials, massive online courses (MOOCs) and the



personalization of learning he attempted to draw the attention of academic community towards the changing role of all the educators, trainers and service providers. Delivering the Keynote Address Prof. Pankaj Arora highlighted the role of higher education in translating policies into actions. Applauding the vision enshrined in New Education Policy 2020 he noted that lifelong learning has always been an essential component of Indian higher education system which has been re-emphasized according to the changing demands of market economy. He focussed on channelizing informal and non-formal learning in accordance with formal learning equipped with a system of global credit transfers, equivalency of

programmes, multiple entry-exit options and so on. Prof. Vandana Chakrabarti while narrating a few successful experiences focussed upon five major functions of lifelong learning centres in higher education - connecting with alumni/ industry/ community; exploring workplace/ individual requirements of new skills; establishing services that are relevant and valuable throughout life; enabling people to take short term programmes for renewing skills and competencies; and finally exploring possibilities of blended learning programmes. Her presentation was directed towards leveraging the role of higher education in lifelong learning. The background and perspective of the webinar was introduced by Ms. Parinita while Shri Nitish Anand, Research Scholar, DACEE extended the vote of thanks. - Parinita Batra

**IAEA Successfully Conducted Skill Mapping Survey in East Delhi**



IAEA was assigned a study entitled "Survey on Skill Mapping in JJ Clusters in East Delhi" by the Directorate of Economics and Statistics, Government of National Capital Territory of Delhi on July 14, 2021 in which a total of 5060 households in 10 pre-identified JJ clusters of East Delhi were approached covering a population of 20,414. The prime focus was given to the persons belonging to 15-45 years age group who were interviewed thoroughly against a multi-dimensional questionnaire developed for assessing the socio-economic status of the residents as well as their present skill base and desire for acquiring more skills for economic well being and overall empowerment. It was a real time App based study for which IAEA constituted a research team including 23 professionals and scholars having reliable understanding who interviewed a total of 12,104 individuals. Keeping in view the limitation of time allotted for the completion of the study IAEA synchronised its efforts in a very systematic way.

Moving on an analytical approach the research team developed a detailed plan to complete the study well in time focussing on each and every step of the survey including training-cum-orientation of research team, pilot study, finalization of the questionnaire, development of web-based application, consultation with academicians and pre-testing of the questionnaire, standardization and validation of questionnaire, sample design, identification of location and area planning.

**Consultation with Academicians, Pre-testing and Finalization of the Questionnaire**

The questionnaire developed for this study was thoroughly discussed at different levels. The preliminary discussion was held with the officials of Directorate of



Economics and Statistics and thereafter, with the experts associated with the IAEA. One consultation meeting was specifically organized at the Headquarters of IAEA on July 7, 2021 in which Prof. (Dr.) S.Y. Shah, former Head of the Department, Group of Adult Education, School of Social Sciences, Jawaharlal Nehru University, New Delhi and Prof. Rajesh, Head, Department of Adult, Continuing Education & Extension, Faculty of Social Science, University of Delhi, Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director, Shri B. Sanjay, Research Officer and Shri Kripal Singh Mehra, Programme Associate participated and meticulously discussed each and every question. The questionnaire used for this study was finalized incorporating the suggestions emerged during this consultative meeting.

**Training-cum-Orientation of research team**



Prior to conducting the pilot study a Training-cum-Orientation for the team of professionals identified for executing the study was organized in two different spells. The first was an in house discussion-cum-orientation held on July 16, 2021 in the Conference Hall of IAEA Headquarters at I.P. Estate, New Delhi and the other on July 22, 2021 at the Conference Hall, Vikas Bhawan-II, Directorate of Economics and Statistics, Govt. of NCT of Delhi conducted under the guidance of the officials of DES. In the training programme eminent administrators, academicians and field

functionaries including Shri C. K. Dutta, Joint Director, Shri Shah-E-Alam, Deputy Director, DES, Shri K.C.Choudhary, Principal Advisor, IAEA, Dr. L. Raja, President, IAEA, Shri S.C. Khandelwal, General Secretary, Smt. Kalpana Kaushik, Incharge Director and Shri B. Sanjay, Research Officer, IAEA shared their experience with the participants.

### Pilot Study



The pilot study was conducted at Indira Camp, Kalyanvas, Khichripur on July 29, 2021 in order to have a pre-testing of research instrument specifically the questionnaire, functioning of the web based application, responses of the target group and effectiveness of the outcome of the survey viz-a-viz the objectives laid down for this study. While conducting the pilot study it was observed that most of the respondents were sceptical to give response at the beginning. However, once explained by the field investigators and motivated by Pradhans and other area representatives they started interacting with field investigators and gave responses accordingly.



### Ground Planning and Data Collection

Eight different teams of field investigators each headed by a field supervisor were formed for detailed survey in order to complete it within the stipulated timeframe. Prior to conducting the survey a team of field supervisors along with coordinators had transect walk through all the locations for indentifying landmarks and area demarcation so that each household can be accessed without failure. They also had meetings with local leaders specifically Pradhans and representatives of Residents Welfare Associations, Anganwadis and other social organizations active in the area in order to establish rapport with the people. Field supervisors briefed them well in advance about the objectives of the study and requested them to motivate people in their neighborhood for extending cooperation towards the survey.

### Main Survey

Although located in the midst of city almost all the JJ clusters were found to be deprived of basic amenities including sewer system. Open drains and narrow serpentine pathways to



connect haphazardly located multi-storeyed houses made these areas quite tough for conducting a thorough survey approaching each and every household. Heavy and continuous rainfall followed by huge water logging further aggravated the situation. Still the team of IAEA successfully covered all the households within stipulated time period from August 10 to September 6, 2021.

### Submission of the Report

The draft report was submitted to the Directorate of Economics and Statistics on September 17, 2021 for their expert opinion so that the final report is prepared.

### 75th Independence Day Celebration at Melkaraipur

Gandhigram Crèche and Children's Project (GCCP), Department of Lifelong Learning and Extension celebrated the 75th Independence Day 'Azadi ka Amrit Mahotsav' in the premises of GCCP at Melkaraipur on 15th August 2021 which was participated by the children, staff members and local residents of the village. The national flag was hoisted by Ms. Seetha and Mr. B.Punyan, Research Scholars and alumnus of GCCP in the presence of Dr. L. Raja, Professor, Principal Coordinator of GCCP and Dean, School of Health Sciences and Rural Development. Speaking on the occasion Dr. Raja highlighted some of the important duties which every citizen of the country need to follow for ensuring the progress of the nation.



प्रशिक्षणार्थियों द्वारा साक्षरता से संबंधित विषयों पर कई मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयीं। समारोह की शुरुआत संस्थान के निदेशक श्री मुकेश राठौर द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुति से हुई। तदुपरांत उपस्थित प्रतिभागियों को जिला साक्षरता समिति, कोटा के संस्थापक सचिव एवं वर्तमान में जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति एवं जन शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष श्री आर.पी.गुप्ता ने संबोधित करते हुए प्रशासन से कोटा मुख्यालय पर साक्षरता कार्यालय को पुनः स्थापित कर इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को गति प्रदान की मांग की तथा सभी लाभार्थियों ने अपने आस पास के पाच असाक्षर महिलाओं व पुरुषों को साक्षर करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति के सचिव श्री राजीव मल्होत्रा एवं श्री हरीश शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आभार श्री रविन्द्र लोहमी द्वारा प्रकट किया गया।

### जिला कारागार फतेहपुर

जिला कारागार, फतेहपुर में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर एक सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 165 पुरुष बंदियों एवं 15 महिला बंदियों ने प्रतिभाग किया। इन प्रतिभागियों में अधिकांश 3 महीने पहले तक निरक्षर थे जिन्हें प्रयासपूर्वक साक्षर बनाया गया। प्रतियोगिता के उपरांत सभी सफल प्रतिभागियों को मैडल एवं प्रमाण पत्र देकर उत्साहित किया गया जिसकी व्यवस्था टूथ मिशन के पदाधिकारियों द्वारा की गयी थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कारागार पर आये श्री आशुतोष श्रीवास्तव,



रीजनल मैनेजर, भारतीय स्टेट बैंक ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती, शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है जो समय-समय पर आपके सामाजिक स्तर को बढ़ाती रहती है।

— मो. अकरम खान  
जेल अधीक्षक

### Term End Examination June 2021

IIALE IGNOU Study Centre 29049(P) successfully conducted the June 2021 Term End Examinations (TEE) of IGNOU which started on August 3, 2021 and continued till September 9, 2021. A total of 3517 students were allocated to this centre out of which 2556 appeared for the examinations. Detailed arrangements were made on the lines of the directions received from IGNOU and UGC in order to maintain social distancing and other related norms to curb the spread of pandemic. As per the given guidelines for online monitoring day-to-day attendance and relevant photographs of all the examination halls were sent to the concern officials of Regional Centre 2 on regular basis. Entire team of IAEA made special effort to make the examinations a hassle free affair for the students which was closely monitored both by the Centre Superintendent Smt. Kalpana Kaushik and the Observers deputed by IGNOU.



Professor & Head, Prof. N.V.R. Kapali, Prof. A. Muthumanickam, Syndicate Member of Tamil Nadu Open University, Dr. Ardhanareeswaran, Dr. Ugin Rositta, and Archaeologist M. Seran also shared their opinion to highlight the importance of literacy and girl's education. Students attending the programme also took part in poster making, oratorical and singing competitions organized by the department.

### Kerala State Branch of IAEA

Kerala State Branch IAEA consecutively organized two webinars on September 8 to mark International Literacy Day. The **first** one was on "Prospects of Lifelong Learning in Kerala" jointly with SRC Kerala and Dr. K. Sivadasan Pillai Foundation which was participated by around 150 students, scholars and academic. The webinar was inaugurated by Shri. V. Sivankutty, Minister for Education, Skill and Labour, Govt. of Kerala while Prof. V. Reghu, Chairman, IAEA Kerala Branch and former Controller of Examinations, Rajiv Gandhi National Institute of Youth Development, Government of India gave the presidential address. The welcome address was delivered by Shri Harish Kumar. S, Secretary, IAEA Kerala Branch and Media officer, SRC Kerala. The vote of thanks was presented by Shri Rakesh Sharma, Assistant Professor, Mar Theophilous Training College, Thiruvananthapuram.

In his address Prof. Reghu focused on the need for linking lifelong learning with skill development. While appreciating the frontline workers of literacy movement in Kerala, Shri. V. Sivankutty underlined the optimum use of technology for strengthening educational infrastructure in the state so that anybody eager to grow can avail lifelong learning opportunities for the same. Apart from this a number of academicians expressed their views on following specific dimensions of lifelong learning and skill development:

1. The Role and Impact of Media in Lifelong Education by Shri. A. Prabhakaran, former Media Executive, AIR and Chairman, Pillai Foundation.
2. New Avenues in Lifelong Learning by Dr. T. Sundaresan Nair, former Director, SRC Kerala.
3. Continuing Education and Legal Literacy by Dr. K. Anvar, Principal, College of Teacher Education, M.G. University, Kudamalur.
4. Relevance of Community College in Lifelong Learning by Dr. N. B. Suresh Kumar, Director, State Resource Centre Kerala.
5. Women Empowerment through Lifelong Learning" by Smt. Geetha Nair, Senior Lecturer, DIET, Thiruvananthapuram.
6. Relevance and Future of Continuing Education programmes in Kerala by Shri. K. Ayyappan Nair, former Asst. Director, Kerala State Literacy Mission Authority.
7. Continuing Education in the Emerging Context by Dr. V. V. Mathew, District Literacy Mission, Kottayam.

The **second** one was a National Webinar organized in

collaboration with SRC Kerala and Mar Theophilous Training College, Thiruvananthapuram in which prime focus was given on analysing the "Trends in Literacy & Lifelong Learning in India".

Inaugurated by Shri K.C. Choudhary, Patron, IAEA this webinar was addressed by Dr. Ramakrishna Sura, Director, Ministry of Skill & Labour, Govt. of India, Prof. L. Raja, President, IAEA, Prof. Ashok Bhattacharya, Professor (Rtd.), Jadavpur University, Dr. K. Y. Benedict, Principal, Mar Theophilous Training College, Dr. N. B. Suresh Kumar, Director, SRC Kerala and Prof. Reddappa Reddy, former Director of Adult & Continuing Education Department, SV University, Tirupati.

The welcome address was given by Shri Harish Kumar S. and perspective was introduced by Prof. V. Reghu. The webinar was felicitated by Shri S.C. Khandelwal, General Secretary, IAEA while Dr. Promod Dinakar, Treasurer, IAEA Kerala State Branch and Assistant Professor, Chinmaya University, Kochi proposed the vote of thanks.

Speaking on the occasion Shri Choudhary emphasized the importance of skill for economic growth and the role of lifelong learning in imparting the same. Dr. Ramakrishana detailed some of the policy implications enshrined in New Education Policy 2020 which widens the horizon of skill development in the country. Prof. V. Reghu underlined the need for target specific, need based programmes according to meet the learning need of people in the state. Dr. Raja highlighted the need for implementing lifelong learning through higher education so that the common man in the country is benefited. Prof. Bhattacharya was in favour of utilizing the services of higher education institutions in the country for the promotion of lifelong learning education. Dr. Benedict shared his thoughts on "Digital Divide & Literacy: Concerns". Dr. Suresh Kumar emphasized on strengthening institutions of lifelong learning in the state. Prof. Reddappa Reddy desired to ensure the participation of voluntary sector for the furtherance learning needs of common people.

### जन शिक्षण संस्थान कोटा



अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान कोटा द्वारा अपने सभागार में एक समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के

### Annual Conference GERA

The Annual Conference of GERA Division was organized from September 15-17, 2021 online which was hosted by Helmut Schmidt University of the Federal German Army, Hamburg. This conference enabled the participants to exchange their views and opinion as part of an International Academic Exchange programme. Dr. Shalini Singh, Senior Research Fellow and Prof. Dr. Paed. Søren Ehlers, Distinguished Professor, International Institute of Adult and Lifelong Education, New Delhi along with Prof. Dr. Sabine Schmidt-Lauff

presented a paper titled "Convergence of National Models for Organizing Adult Learning Across Europe? A Comparative Study of Policy Choices in Denmark, Germany and Switzerland" on September 16 2021. It was followed by a detailed discussion on the transition of adult education into lifelong learning in high-income European countries and the role of EU over the last two decades.



### Felicitations for Dr. L. Raja

Dr. L. Raja, the newly elected President of IAEA was welcomed at the Headquarters of the Association on July 16, 2021 by the Members of Executive Committee including Shri K.C. Choudhary, former President, Prof. S.Y. Shah, Vice President and Shri S.C. Khandelwal, General Secretary. He was also felicitated with a bouquet as mark of respect. The programme was followed by a brief discussion with the staff members. Expressing his views on the occasion Dr. Raja stated that institutions like IAEA should play a lead role for empowering the deprived and disadvantaged sections of the society. Elaborating his thoughts further he said that "A leader is one who knows the way, goes the way and shows the way". He opined that working together with all the individual and institutional members is the need of the hour which will certainly help the Association to widen its reach. He also thanked Shri Choudhary and applauded his perseverance, efforts and leadership shown continuously for almost four decades of dedicated service towards the Association.



Dr. Raja was also given a warm welcome at the office of Vice Chancellor, Open University Chennai on July 31, 2021 where he was felicitated by Prof. K. Parthasarathy, Vice Chancellor, Prof. A. Muthumanickam, formerly Registrar, Madurai Kamaraj University, Madurai and other Life members of IAEA present on the occasion. The discussion focused on exploring ideas to strengthen the State Branch of IAEA in Tamil Nadu.



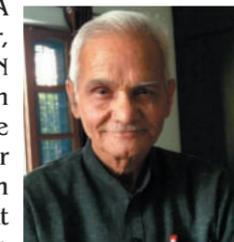
### Obituaries

**Shri V. Balusubramanian**, Executive Committee Member of IAEA and former Director, Avinashilingam Jan Shikshan Sansthan, Coimbatore, Tamil Nadu is no more. He breathed his last on September 30, 2021 at his residence in Coimbatore. A person known for his ever charming smile, soft and polite behavior Shri Subhramanian had a long relation with adult education fraternity in the country. His association with IAEA started on January 10, 2014 when he formally became a Life Member of the organization. Since then he was a regular face in almost all the important functions of IAEA. At present he was working as Head, Aqua Group Training Centre, Coimbatore. Shri Subhramanian was also known for a number of successful experiments in providing state of art training to the beneficiaries of JSS and helping them to get enrolled in gainful employment. This brought a huge popularity for him in the youth and industrial community in and around the city of Coimbatore.



We, in the Indian Adult Education Association pray for the eternal peace for the departed souls.

**Shri Shyam Sunder Nandwana** former Council Member of IAEA and former Director, Community Centre, JRN Rajasthan Vidyapeeth (Deemed to be University), Udaipur breathed his last on September 15, 2021 at his residence in Udaipur. He was an active social worker who also led the activities of Rajasthan State Branch of IAEA as its Hon Secretary. Shri Nandwana became the Life Member of IAEA way back on November 26, 1991. Since then he was a regular participant in the deliberations held during almost all the adult education conferences organized at national level.



# Commemorating International Literacy Day – 2021

## भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, क्षेत्रीय कार्यालय, महु



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, क्षेत्रीय कार्यालय महु द्वारा अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 8 सितंबर 2021 को प्रातः 11 बजे स्थानीय आशा कला केन्द्र, महु में किया गया जिसमें भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के सदस्य, छात्रगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यह कार्यक्रम श्री सुरेश खण्डेलवाल (महासचिव, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली) के मुख्य आतिथ्य एवं श्री कैलाश चौधरी (संरक्षक, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के विशेष अतिथि श्री मृणाल पंत (अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, मध्य प्रदेश शाखा), श्री सत्यम सम्राट, आचार्य (प्रखर चिन्तक) एवं श्री वेदांत हजारी थे।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री पंत ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। आज साक्षरता के अर्थ बदल गये हैं और साक्षरता की परिधि में सामान्य साक्षरता के साथ अब ई-लिटरेसी, हैल्थ लिटरेसी, फायनेंशियल लिटरेसी, राजनीतिक लिटरेसी, इत्यादि भी शामिल हैं। वर्तमान दौर में सुचारु जीवन जीने के लिए इन सबके बारे में जानना जरूरी है। अलग-अलग व्यक्तियों की अलग-अलग प्राथमिकताएं हो सकती हैं जैसे बुजुर्ग व्यक्ति प्राथमिक रूप से स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, सेविंग (बचत), पेंशन (नेशनल पेंशन स्कीम), अटल पेंशन योजना, इत्यादि के बारे में जानना चाहेंगे।

श्री आचार्य ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में ज्ञानार्जन की समृद्ध परंपरा रही है। 5000 वर्ष पूर्व भी यहां के नदी-घाटों पर वेदों के मंत्र उच्चारित किये जाते थे। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय

भारत की ही देन है। भारत संसार की नैतिक एवं धार्मिक तपोस्थली रहा है। इसके बावजूद हमारे यहां पर्याप्त संख्या में असाक्षर मौजूद हैं। साक्षरता लोकहित के काम आती है। अतः भारतीय संस्कृति को पुरातन इतिहास से जोड़ते हुए शिक्षा और साक्षरता को महत्व प्रदान किया जाना चाहिए।

मुख्य अतिथि श्री खण्डेलवाल ने साक्षरता दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि साक्षरता ही वह धुरी है जहां से विकास की अनेक योजनाएं जैसे स्वास्थ्य, पोषण, परिवार कल्याण एवं बच्चों का टीकाकरण तथा ग्रामीण विकास के कई कार्यक्रम फलीभूत होते हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री चौधरी ने कहा कि वर्ष 1965 से साक्षरता दिवस मनाया जा रहा है। गांधीजी ने बुनियादी साक्षरता एवं शिक्षा को समाज में स्थापित किया। महात्मा गांधी ने कहा था निरक्षरता कलंक है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, जब तक इस देश के लोग निरक्षर रहेंगे, वे शिक्षित लोगों पर ऋण हैं, क्योंकि शिक्षित लोग उनके बल पर आगे बढ़ेंगे। श्री चौधरी ने प्रौढ़ शिक्षा के विविध आयामों पर भी प्रकाश डाला।

अतिथियों का स्वागत सदस्य श्री कमलेश मिश्रा ने किया एवं आभार क्षेत्रीय निदेशक श्री राजेश चौधरी ने माना। कार्यक्रम का संचालन म.प्र. शाखा के महासचिव श्री नारायण चौहान ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

— राजेश चौधरी

क्षेत्रीय निदेशक, भा.प्रौ.शि.सं, म.प्र. शाखा

## University of Delhi

### Literacy Week Celebration: Inaugural Function

The Department of Adult, Continuing Education & Extension, University of Delhi organized a number of activities as part of Literacy Week (September 7-13, 2021) Celebration Programme including poster making and essay writing competition, plantation initiative, pledge by the students, skill mapping and competency assessment of the unorganized sector workers including rickshaw & e-rickshaw pullers as well as an intensive panel discussion.

The weeklong celebration was inaugurated with the lightening of ceremonial lamp and plantation of saplings by the Chief Guest, Professor P.C. Joshi, Vice Chancellor, Distinguished Guest, Professor Balaram Pani, Dean of Colleges and the Guest of Honor, Professor Suman Kundu, Director, South Campus, University of Delhi. Dr. Vikas Gupta, Registrar, University of Delhi and Prof. Soeren Ehlers, Helmut Schmidt University, Germany were also present on the occasion.

Delivering the inaugural address Prof. Joshi expected an



affirmative role to be played by each and every individual member of university fraternity towards realizing the goal of cent-percent literate society. The programme was also addressed by Prof. Balaram Pani and Prof. Suman Kundu, A special edition of Department's Newsletter covering major activities was also released by the distinguished guests. The inaugural event was concluded with an award distribution ceremony felicitating the winners of the essay and poster competition the list of which is as follows:



### Essay Writing

- First Prize – Ms. Anshika Sharma and Ms. Vishakha (Lady Irwin College)  
Second Prize – Ms. Khushi (Rajdhani College)  
Third Prize – Smt. Kalpana Kaushik (IAEA, Delhi)

### Poster Making

- First Prize – Shri Munavoor Praveen (Lucknow University)  
Second Prize – Shri Amit Anant (Bilaspur, Chhattisgarh University)  
Third Prize – Ms. Apoorva Prakash (Miranda House)

### Online Panel Discussion

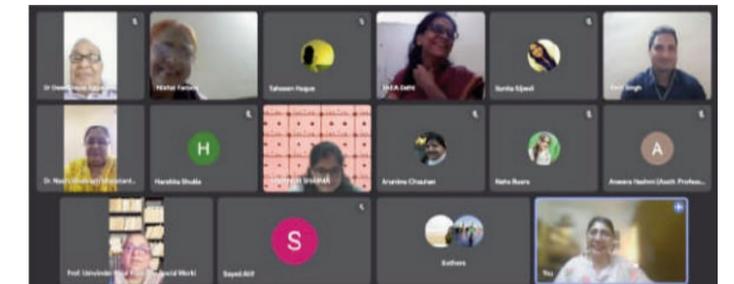
An online panel discussion on September 13, 2021 was also organized as part of the Literacy Week (September 7-13, 2021) Celebration Programme in which a number of distinguished academicians including Professor L. Raja, Director & Head, Gandhigram Rural Institute, Tamil Nadu and President, Indian Adult Education Association (IAEA); Ms. Kalpana Kaushik, Incharge Director, IAEA and Dr. Rakesh Parmar, HOD - Mathematics, Makhanlal Chaturvedi Government Girls P.G. College, Khandwa, Madhya Pradesh expressed their opinion on the 'Role of Higher Education Institutions for Volunteerism towards 100% Literacy'.

Speaking on the occasion Prof. Raja advocated a greater role and responsibility to be played by voluntary sector for the success of 'each one, catch one, teach one' mode of furtherance of literacy movement in the country. Appreciating the efforts made by Ms. Manu Gulati, a Delhi government school teacher and recipient of the Martha

Farrell award - 2019 towards helping young girls to receive formal school education Ms. Kalpana stressed the need to utilize available resources efficiently for achieving cent-percent literacy. Dr. Rakesh desired for incentivizing the voluntary activities taken-up by the students so that they are continuously motivated for the same.

The programme was introduced by Ms. Parinita while Prof. Rajesh introduced the panelists and gave brief remarks on the emerging challenges before literacy movement in the country.

## JMI organised Extension Lectures

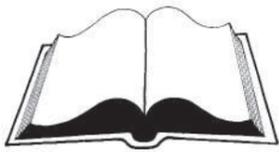


With a purpose to view literacy from a wider perspective the Department of Adult and Continuing Education and Extension (DACEE), Jamia Millia Islamia (JMI) hosted 3 Online Extension Lectures on September 8, 2021 on the theme "Contextualizing Literacy to Commemorate International Literacy Day" which were convened and moderated by Dr. Shikha Kapur, Head, DACEE. Along with a number of research scholars from different universities these lectures were also participated by veterans academicians including Dr. V. Mohankumar, former Director, IAEA, Prof. (Dr) D.D. Agarwal, University of Delhi, Prof. Ghulam Mursaleen, Aligarh Muslim University, Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director and Smt. Veena Mahajan, former Office Superintendent, IAEA. Smt. Nishat Farooq, former Director, SRC, JMI and recipient of Tagore Literacy Award-2020 was the Guest of Honour in the Programme. The Research Scholars and students from Universities from across India and Jamia Millia Islamia attended the Lectures.

Each of the lectures were presented by a research scholar of the department followed by deliberations, question and answers related to it. Ms. Arunima Chauhan gave her presentation on "Seven Decades of India's Literacy Movement", Shri Ram Pratap Singh on "Rural Literacy in India- Way Forward" and Ms. Himanshi Sharma on "COVID 19 and Literacy in India". The presenters were introduced by Ms. Ramsha Nusrat, Ms. Durdana Tahseen and Shri Gaurav Joshi respectively who were also the students of JMI.

## University of Madras

The Department of Adult and Continuing Education organized a function in which a Literacy Centre was inaugurated at the premises of the department to impart literacy skills and educate the menial workers of the university. Speaking on the occasion Prof. V.P. Matheswaran, Head of the Department emphasized on the essentiality of education for human resource development. Former



R.N.I. No. 53577 /1991  
Postal Regn. No. DL(C)01/1160/2019-2021  
Published on December 31, 2021

are currently not enrolled in school and the reasons behind this.

• Household resources: Explores whether households have key resources that can help support children's education. These include parents' own education levels; access to technology such as TV and smartphones; and availability of textbooks.

• Learning support at home: Examines whether and how households support children during school closures. This includes support from family members as well as other support such as paid private tuition.

• Access to and availability of learning materials: Reports whether families received learning materials or activities from schools, and the mediums through which they accessed these.

• Children's engagement with learning materials and activities: Analyses the extent to which children actually engaged with different kinds of materials and activities received from any source; as well as the nature of contact between families and schools during the lockdown.

• School survey: Explores teachers' preparation for and implementation of remote teaching-learning activities with their students, and whether they received any help from the community to support children's learning during school closures.

UNESCO. **Global education monitoring report summary, 2021/2: non-state actors in education: who chooses? who loses?** France, UNESCO; 2021: 474p.

Non-state actors' role extends beyond provision of schooling to interventions at various education levels and influence spheres. Alongside its review of progress towards SDG 4, including emerging evidence on the COVID-19 pandemic's impact, the 2021/2 Global Education Monitoring Report urges governments to see all institutions, students and teachers as part of a single system. Standards, information, incentives and accountability should help governments protect, respect and fulfil the right to education of all, without turning their eyes away from privilege or exploitation. Publicly funded education does not have to be publicly provided but disparity in education processes, student outcomes and teacher working conditions must be addressed. Efficiency and innovation, rather than being commercial secrets, should be diffused and practised by all. To that end, transparency and integrity in the public education policy process need to be maintained to block vested interests.

Compiled by Neha Gupta  
Librarian-cum-Docummentation Officer

Neogi, Sutapa Bandyopadhyay. **Gender before Birth in India: Role of Indigenous and Traditional Medicines.** Springer, Singapore; 2021: 147p.

This book focuses on the role of the indigenous system of medicine or traditional medicines in gender selection in India. Issues such as the harmful effects of traditional practices on the health of the woman and the foetus during early pregnancy are explored in this book. It analyses the social and cultural practices and establishes linkages with modern methods of scientific investigations. It discusses how systematic exploration lends evidence of harmful traditional practices.

UNESCO. **Education in prison: a literature review.** Hamburg, UNESCO, 2021: 110p.

This publication focuses on some of the unique characteristics and challenges concerning the provision of education in prison, including: the appearance of an informal curriculum; language tuition in prison; access to higher education; the availability of library facilities; digital literacy; civic engagement and social (re)integration; and prison programmes for education. It also analyses commitments made through international and regional declarations and agreements. It examines penal policies, strategies and pedagogical approaches established in jurisdictions around the world.

UNICEF. **The State of the World's Children 2021: On My Mind: Promoting, protecting and caring for children's mental health.** New York, UNICEF; 2021: 262p.

The COVID-19 pandemic has raised huge concerns for the mental health of an entire generation of children. But the pandemic may represent only the tip of a mental health iceberg – an iceberg which has ignored for far too long. The State of the World's Children examines the mental health of children and adolescents. Against a backdrop of rising awareness of mental health issues, there is now a unique opportunity to promote good mental health for every child, protect vulnerable children and care for children facing the greatest challenges.

ASER. **Did Technology Enable Inclusive Education in Rural India in a Year of Lockdown?** ASER Evidence for Action; 2021: 99p.

This report uses the ASER 2020 survey data to explore the following areas:

- Children's enrollment: Explores patterns of enrollment and dropout among 6-16 year olds in rural India.
- Children not currently enrolled: Examines which children

# IAEA NEWSLETTER

Vol. 30 No. 4 Re. 1 per copy October-December 2021 Total Pages 12



## Indian Adult Education Association

### नेहरु एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कारों का वितरण



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली द्वारा देश में साक्षरता की दिशा में उल्लेखनीय योगदानों के लिए प्रतिवर्ष नेहरु एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। सन् 1968 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरु की स्मृति में प्रारंभ नेहरु साक्षरता पुरस्कार किसी व्यक्ति या संस्था को साक्षरता के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। वहीं सन् 1987 में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की स्मृति में प्रारंभ टैगोर साक्षरता पुरस्कार महिला साक्षरता एवं सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए किसी व्यक्ति या संस्था को प्रदान किया जाता है। वर्ष 2019 एवं 2020 के नेहरु साक्षरता पुरस्कार क्रमशः प्रोफेसर पी. आदिनारायण रेड्डी एवं प्रोफेसर एम.सी. रेड्डप्पा रेड्डी को तथा टैगोर साक्षरता पुरस्कार क्रमशः प्रोफेसर अनीता दिघे एवं श्रीमती निशात फारुख को प्रदान किये गये। प्रोफेसर पी. आदिनारायण रेड्डी एवं प्रोफेसर एम.सी. रेड्डप्पा रेड्डी दोनों ही श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति के प्रौढ़ एवं आजीवन शिक्षा विभाग के पूर्व निदेशक रहे हैं। वहीं प्रोफेसर अनिता दिघे कैम्पस ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व

निदेशक रहीं हैं तथा श्रीमती निशात फारुख राज्य संसाधन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया की पूर्व निदेशक रहीं हैं। इन चारों ही पुरस्कृत व्यक्तियों का शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र में विशद योगदान रहा है।

ये सम्मान दिनांक 19 दिसंबर 2021 को सरदार वल्लभभाई पटेल सभागार, उपराष्ट्रपति निवास, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति महामहिम श्री वेंकया नायडू के कर कमलों द्वारा प्रदान किये गये। समारोह में उपराष्ट्रपति के सचिव श्री आई. वी. सुबाराव, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर एल. राजा, महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल, मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी, पूर्व निदेशक

डॉ. वी. मोहनकुमार एवं प्रभारी निदेशक श्रीमती कल्पना कौशिक सहित प्रौढ़ शिक्षा जगत के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

समारोह के प्रारंभ में भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर एल. राजा, महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल तथा मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी द्वारा शॉल से महामहिम उपराष्ट्रपति तथा सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का



Printed, Published & Edited by Suresh Khandelwal on behalf of Indian Adult Education Association, 17-B, Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002 and Printed at M/s. Prabhat Publicity, 2622, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi - 110 002. [Tel: 011-23379306 / 23378206 / 23379282 / 23378436 / 43489048]  
E-mail: iaeadelhi@gmail.com, Website: iaea-india.in

Editor: Suresh Khandelwal



स्वागत किया गया। राष्ट्रगान के उपरांत प्रोफेसर राजा ने स्वागत भाषण प्रदान करते हुए विगत 82 वर्षों में भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ की उपलब्धियों, नेहरू एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कार के इतिहास एवं वर्तमान संदर्भों में इसकी महत्ता को रेखांकित करते हुए यह आशा व्यक्त की कि इस सम्मान समारोह में महामहिम उपराष्ट्रपति की गरिमामय उपस्थिति प्रौढ़ एवं आजीवन शिक्षा जगत में एक नवीन उर्जा एवं प्रतिबद्धता का संचार करेगी।

तत्पश्चात डॉ. वी. मोहनकुमार तथा श्रीमती कल्पना कौशिक द्वारा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के प्रशस्ति पत्रों का वाचन किया गया। महामहिम उपराष्ट्रपति श्री वैक्या नायडू ने एक-एक कर प्रोफेसर पी. आदिनारायण रेड्डी, प्रोफेसर एम.सी. रेड्डी, प्रोफेसर अनीता दिघे (की तरफ से डॉ. अनीता प्रियदर्शिनी) एवं श्रीमती निशात फारूख को प्रशस्ति पत्र, प्लाक एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति महोदय ने कहा

कि यह चिंताजनक है कि तमाम प्रयासों के बावजूद देश की लगभग 25 प्रतिशत आबादी आज भी असाक्षर है। हम निकट भविष्य में शत-प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें इसके लिए साक्षरता अभियान को एक जन आन्दोलन बनाने की आवश्यकता है। कॉरपोरेट सोशल रिसपॉसिबिलिटी (सी.एस.आर) की भांति उन्होंने पी.एस.आर अर्थात् पर्सनल सोशल रिसपॉसिबिलिटी पर बल देते हुए कहा कि देश के हर साक्षर व्यक्ति को अपने आस-पड़ोस के एक असाक्षर व्यक्ति को साक्षर बनाने की व्यक्तिगत चुनौती स्वीकार करनी होगी। उन्हें मौलिक साक्षरता के साथ डिजिटल एवं आर्थिक



## साक्षरता दिवस पर गुजरात राज्य प्रौढ़ शिक्षण परिषद द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

विश्व साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में गुजरात राज्य प्रौढ़ शिक्षण परिषद द्वारा राजकोट के जुबिली बाग में स्थित महात्मा गांधीजी की प्रतिमा के पास एक उत्साहवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता राजकोट शहर के युवा मेयर श्री प्रदिपभाई डव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सौराष्ट्र युनिवर्सिटी के वरिष्ठ सिन्डीकेट सदस्य डॉ. कलाधर आर्य और डॉ. भरतभाई रामानुज उपस्थित रहे थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने शत-प्रतिशत साक्षरता, आत्मनिर्भरता के लिए कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता एवं स्वावलंबी

भारत जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये ताकि स्थानीय लोगों को सार्वभौमिक साक्षरता के लिए प्रेरित किया जा सके। कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपप्रमुख प्रो. जे. एम.पनारा ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संयुक्त महामंत्री श्री एल.एस.सैयद ने सभी का स्वागत किया, जबकि संस्था के खजांची श्री राजेशभाई गोंडलिया ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में कुण्डलिय कोलेज के प्रिन्सिपल श्री यज्ञेश जोशी, कणसागरा महिला कोलेज-राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्राध्यापक डॉ. यशवंत गोस्वामी, हरिवंदना

बी.एड. कोलेज की प्रिन्सिपल सुश्री दक्षाबहन, नगर शिक्षण समिति के सदस्य श्री रविन्द्र गोहिल, पूर्व डेप्युटी मेयर सुश्री जशुमतीबहन वसाणी, सुश्री मधुरिकाबहन जाडेजा, श्री हिमंतभाई लाबडिया, श्री महेशभाई महेता, श्री रसिकभाई सोलंकी, श्री रसिकभाई निमावत, श्री सी.एल. रैयाणी, श्री अतुल जोशी, श्री हसमुख सोलंकी, श्री हसमुख चौहाण तथा श्री स्नेहल मावाणी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

— यशवंत जनाणी  
चेयरमैन

## Conferment of 5th Annual Martha Farrell Award



The Martha Farrell Foundation (MFF), The Martha Farrell Memorial Fellowship and Martha Farrell Award for Excellence in Women's Empowerment have been set up to carry forward her pioneering work on gender mainstreaming and adult education, with the overall goal of achieving gender equality in India and around the world. Martha Farrell was a passionate civil society leader, her work on women's rights, gender equality and adult education. She was among 14 people killed in a terrorist attack on a guest house in Kabul, Afghanistan on 13 May 2015.

She had been leading a gender training workshop with the Aga Khan Foundation in Kabul at the time of the attack. Martha Farrell Foundation and Participatory Research in Asia (PRIA) with support from Rural Development Trust (RDT) felicitated the winners of the 5th Annual Martha Farrell Award over a ceremony on November 20th, 2021 at India Islamic Centre, New Delhi. Winners are:  
**Sappho for Equality - Institutional category (Jury's Selection)**  
For breaking the shackles of patriarchy and heteronormativity, and

providing a safe space for so many. Shaheen Women's Resource and Welfare Association, Hyderabad - Best Organisation for Gender Equality  
It was established in 2002, committed to the cause of women's rights and communal harmony.  
**Suman Devathiya - Most Promising Individual (Jury's Selection)**  
She is senior Dalit woman leader in India working with and for Dalit women for more than 15 years, taking forward the many struggles for equal opportunity and a more equal tomorrow  
**Deepa Pawar - Most promising Individual category**  
Founder - Director of Anubhuti Charitable Trust, she works for intersectional gender justice, caste and mental health at the grassroots level including one of the only Nomadic and De-notified Tribe.  
Smt. Kamla Bhasin, an indomitable poet and an Indian developmental feminist, activist, author and social scientist was also remembered at the ceremony. She was a jury member for the first three years of the Martha Farrell Awards and was a huge part of the Award's genesis. She died on September 25, 2021.

# Seminar on Religion, Peace and Human Rights



A day long Seminar on Religion, Peace and Human Rights was jointly organised by Islamic Information-cum-Inter Religious Dialogue Centre and All India Bhikkhu Sangh, Bodh Gaya with academic support of Bihar Chapter of Indian Adult Education Association, New Delhi on December 10, 2021 to commemorate the anniversary of UN Human Rights Declaration. The seminar was participated by senior academicians from Magadh University, religious leaders and social workers from different walks of life. Delivering the welcome address Shri A. H. Khan, Secretary, Inter-Faith Forum and Associate Secretary, IAEA briefly introduced the charters of UN which was passed in its General Assembly on 20th Dec. 1948. He emphasized that each individual has a role to play to create awareness about protecting human rights.

The introductory speech was followed by the opinions and views from guests of honour and other scholars including Venurable Rahul Bhante Bhikkhu incharge Mahabodhi Society of India (Sri Lankan Monestry), Bhikkhu Incharge Bangladesh Monestry, Prof. B.R.Yadav Magadh University, Sister Shobha (Christian Missionaries), Sanjay Chandervanishi (RSS representatives), Tamimuddin Humble (Jamaet Islami) representatives, Qari Shabuddin WORK representative, Senior Journalist Mr Faizul Haque and Syed Sabir Raza (Muslim Community).

The seminar was presided over by Ven. Pregya Deep, Secretary, International Buddhist Council and All India Bhikkhu Sangha, BodhGaya who requested to propagate the teachings, preachings and practices of Buddha to attain peace in the society.

– A. H. Khan

## Contribution of IAEA got appreciated

A Symposium for the Well Being of Senior Citizens was organized by the Department of Social Welfare, Govt. of NCT of Delhi on October 1, 2021 at the Main Auditorium, Delhi Secretariat to commemorate the International Day of Older Persons which was participated by the officials of concerned departments, representatives of various senior citizens organizations and leading personalities who have contributed considerably for the welfare of senior citizens in the state. Indian Adult Education Association was represented by Shri B. Sanjay, Research Officer. On the occasion the Chief Guest Shri Rajendra Pal Gautam, Minister, Social Welfare, GNCTD honoured the valuable contribution made by some of the organizations working in this field. The Minister found the findings of the evaluation study conducted by the Association on Senior Citizen Recreation Centers in Delhi in 2020 illuminating and quite meaningful for strengthening the scheme further. In a gesture to appreciate the outcomes of the evaluation study and quality work done by IAEA the Chief Guest offered a bouquet to Shri Sanjay who led the study. It may be noted here that a number of recommendations of the report have been identified by the government for implementation including enhancement in the overall budgetary allocation given to each Senior Citizen Recreation Centre functioning in the state.

### Best Regional Centre Award for 2021



Out of a total 67 Regional Centres functioning across the country the Regional Centre Delhi 2 of IGNOU was conferred the Best Regional Centre Award consecutively for the third time in a function organised to commemorate the 36th Foundation Day of the University. It is a matter of pride that the International Institute of Adult and Lifelong Education (IIALE) IGNOU Study Centre (29049P) is a part of the same and also a prominent stakeholder of this success story.



साक्षरता भी प्रदान करनी होगी ताकि वे वर्तमान दौर में सम्मान की जिंदगी जी सकें। यह सुनिश्चित करना होगा कि 'इच वन टीच वन' महज एक नारा बनकर ना रह जाय। नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता के साथ-साथ जन-भागीदारी एवं व्यापार तथा शैक्षिक संस्थानों से भी सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया। महामहिम ने सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा प्रदत्त नेहरू एवं टैगोर साक्षरता पुरस्कार पूर्व की भांति भावी पीढ़ी को भी

शिक्षा एवं साक्षरता के क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे। उन्होंने भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ द्वारा शिक्षा एवं साक्षरता की दिशा में किये जा रहे अनवरत् प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अन्य स्वयंसेवी प्रयासों के लिए यह दृष्टांत स्वरूप है।



समारोह के अंत में आभार व्यक्त करते हुए भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल ने सर्वप्रथम मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति महोदय का हार्दिक धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उनका आशीर्वाद इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने उपराष्ट्रपति के सचिव श्री आई. वी. सुबाराव, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर एल. राजा, मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी, पूर्व निदेशक डॉ. वी. मोहनकुमार, सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं, उपस्थित गणमान्य अतिथियों, कार्यकारिणी सदस्यों, उपराष्ट्रपति सचिवालय के कर्मचारियों एवं पत्रकारों सहित भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के कार्यकर्ताओं का भी हृदय से धन्यवाद किया।

समूचे समारोह का संचालन भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के पूर्व निदेशक एवं वर्तमान में जेएसएस एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नोयडा के समन्वयक डॉ. वी. मोहनकुमार द्वारा किया गया।

## Call for the IIALE Research Mentorship Programme

The International Institute for Adult & Lifelong Education (IIALE) has planned to launch a programme called "IIALE Research Mentorship Programme" which aspires to connect resource persons and learners in the field. This will be a new research initiative aimed at raising the standard of research through collective efforts. As part of the programme IIALE will provide a platform over which learners can send queries regarding their research work through emails which will be replied by registered mentors.

In view of developing a team of experts willing to contribute in this initiative the IIALE invites academicians to

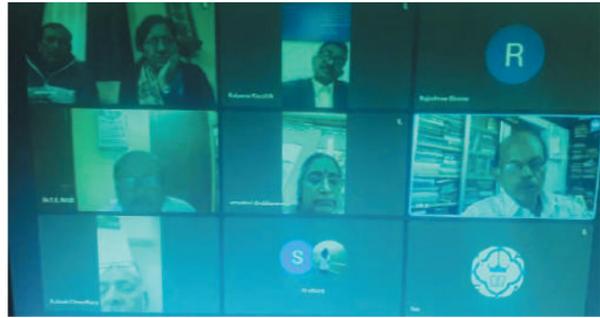
register themselves as mentors through the following link:

<https://forms.gle/TkJbocN4NtZoCzm99>

The queries will be collected through email and will be disseminated to the relevant mentors through their preferred mode of communication. It is a voluntary act and no one will be bound to reply even if they have registered themselves as a mentor. However, it will help the institution to build a robust and rewarding research environment in the field.

Dr. Shalini Singh, Senior Research Fellow will manage the programme for the IIALE. She may be contacted for further details at her email: [contactingshalinisingh@gmail.com](mailto:contactingshalinisingh@gmail.com).

## Meetings of IAEA



of the previous meeting held on July 17, 2021 at the headquarters of IAEA. Apart from this, EC appreciated and approved the report of programmes and activities conducted during the period July 2021 to December 2021 and awarded Life Membership to 12 individuals. The EC also expressed heartfelt condolence on the demise of Shri V. Balasubramanian, Executive Committee Member and Shri Shyam Sunder Nandwana, former Council Member of IAEA. The EC observed silence for the peace of both the departed souls.

EC meeting was followed by the **Council** meeting which was attended by 40 members. The meeting formally began with the welcome address by Shri Suresh Khandelwal, General Secretary. Presided over by the President, the Council confirmed the minutes of its meeting held on December 15, 2020 and approved the Plan of Action for the year 2022-23.

The **General Body** meeting of IAEA held on December 18, 2021 in virtual mode. The meeting was presided over by Prof. L. Raja, President and attended by 79 members. The GB confirmed the minutes of its previous meeting held on December 15, 2020, adopted the Annual Report of the Association for the year 2020 and Audited Statement of Accounts for the financial year 2020-21.

The **Executive Committee** of the Indian Adult Education Association met on December 18, 2021 in virtual mode which was presided over by Dr. L. Raja, President and attended by 19 members including Shri K.C.Choudhary, former President and Shri Suresh Khadelwal, General Secretary. Prof. Asoke Bhattacharya, Dr. Devendra Kumar Verma and Dr. Saroj Garg could not attend the meeting and hence granted leave of absence. The meeting was facilitated by Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director, IAEA.

The meeting formally began with a brief introductory address by the President and welcome address by the General Secretary. Thereafter, the EC confirmed the minutes

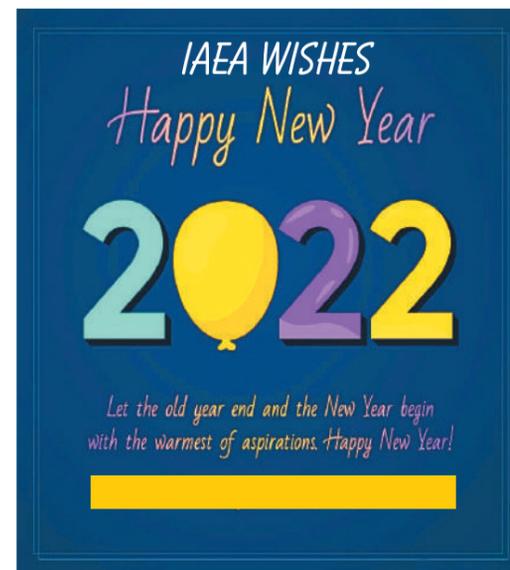
## व्यावसायिक पाठ्यक्रम हेतु प्रायोगिक परीक्षा आयोजित



भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली राष्ट्रीय मुक्त विद्यालययी शिक्षा संस्थान, भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रम 'पुस्तकालय विज्ञान में प्रमाण पत्र कोर्स' का एक अध्ययन केन्द्र है जहां से अब तक 19 बैचों के

छात्र सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हो चुके हैं। इसके 20वें बैच के नामांकित 3 विद्यार्थियों के लिए गत 16 दिसम्बर 2021 को भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली के कार्यालय में प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा श्री मुरारीलाल शर्मा और श्री जय भगवान द्वारा ली गई जिसकी आर्वार्ड सीट और उपस्थिति की मूल प्रति उसी दिन राष्ट्रीय मुक्त विद्यालययी शिक्षा संस्थान, नोएडा में जमा करा दी गई।

— जय भगवान  
Co-ordinator  
AVI No 990108



## Legal Awareness Programme on Gender Equality

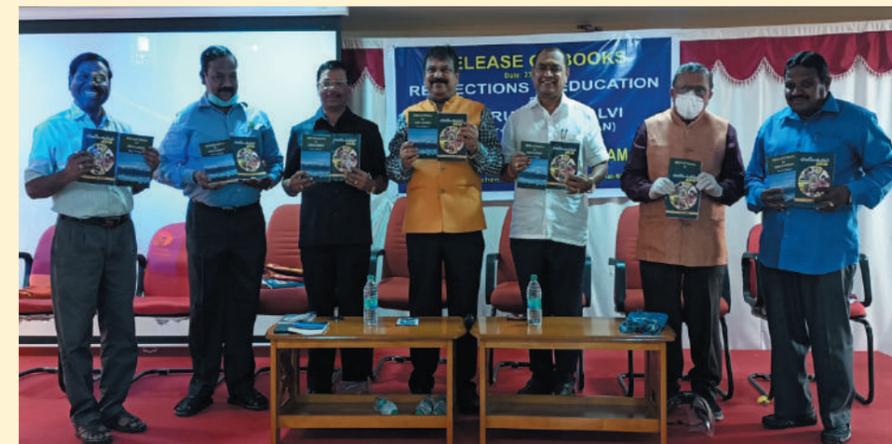


The Department of Lifelong Learning and Extension, GRI, Gandhigram under the guidance of Prof. L. Raja organized two programmes consecutively on November 16 and 17, 2021 at B.Voc in order to create legal awareness about the rights and duties of any Indian Citizen amongst the students pursuing different courses. The first programme precisely focused on making them aware about various legal instruments and programmes initiated by centre and state governments to address the issues related with gender equality while the other one was for creating general level of awareness about rights and duties of any citizen. Ms. Shara Christopher, Legal Advisor, Centre for Women's Studies, GRI and Advocate, Madurai High Court; Dr. M. Eswari, Research Associate, Centre for Women's Studies, GRI and

Shri Sivabalan, Advocate, Dindigul District, Dindigul delivered special lectures on different dimensions of gender equality and addressed the queries of the students in details. The major focus was on creating a congenial atmosphere throughout the society specifically at the work place so that the right of every individual is well protected. All the speakers were of the opinion that people should work together to achieve a Zero FIR situation in the society.

The sessions and respective speakers were introduced respectively by Dr. S. Ramesh and Dr.Gnanasaranya, Guest Faculty, Department of Lifelong Learning and Extension, GRI. Entire programme was coordinated by Dr.R.Venkata Ravi, Associate Professor, Department of LLL&E and Dr. M. Sankaramurthy, Coordinator, B.Voc, GRI.

## Books Released by the VC Alagappa University



Two books, one in English entitled "Reflections in Education" and other in Tamil entitled "Education for All" written by Dr. R. Rajan, former Professor, Department of Lifelong

Learning, Alagappa University, Karaikudi and former Director, State Resource Centre for Adult and Continuing Education, Chennai, Tamil Nadu was released by Prof. (Dr.) N.

Panchanatham, Vice chancellor, Alagappa University on December 23, 2021 in a book release function organized at the university. Others eminent academicians present on the occasion included Dr. M. Govindan, Controller of Examination and Dr. M. Soundararajan, Registrar, Tamil Nadu Teachers Education University, Prof. V. P. Mathewaran, Head, Department of Adult and Continuing Education, University of Madras, Prof. Kapali and Dr.A. Muthumanickam, former Registrar, Madurai Kamaraj University, Madurai, Tamil Nadu. Apart from this the function was also attended by nearly 150 scholars including faculty members, research scholars and students pursuing PG courses. Dr. R. Rajan is also the Life Member of IAEA.

## Smt Krishnammal Jagannathan received Padma Bhushan



Smt Krishnammal Jagannathan, a nonagenarian social activist from Tamil Nadu, profoundly called Amma was bestowed with prestigious Padma Bhushan award by the President of India Shri Ram Nath Kovind on November 8, 2021 in a Decoration Ceremony at Rashtrapati Bhawan for her prolific work in the field of social development and empowerment of

through propagating the philosophy of non-violence. Born in a Devendrakulam family in 1926 she also participated in the freedom movement particularly in the Non-Cooperation Movement, Civil Disobedience and Quit India Movement, worked for land redistribution through Vinoba Bhave's Gramdan movement using Satyagraha and shared the stage with Mahatma Gandhi at a very young age. As a founder of Land for the Tillers' Freedom (LAFTI) in 1981 she has been instrumental in transferring nearly 13,000 acres of land to about 13,000 families.

It is noteworthy that Smt Krishnammal Jagannathan was also honoured by the Indian Adult Education Association in the 61st All India Adult Education Conference held on December 28-30, 2015 at Gandhigram Rural Institute (Deemed to be University), Dindigul, Tamil Nadu where she shared a volume of inspiring memories with the delegates.

landless poor people. a nonagenarian, travels to remote rural areas bringing social, economic and political transformation through propagating the philosophy of non-violence. Hailing



from the state of Tamil Nadu, Krishnammal Jagannathan, Amma, is a social worker who travels to remote rural areas bringing social, economic and political transformation

## Google's Doodle for a Hero of Female Literacy

Fathima Sheik, a colleague of eminent social reformers Jyotirao & Savitribai Phule has been honoured by Google by featuring a doodle for her on her 191st Birth Anniversary. Fathima is considered as the first muslim woman educator of India who started 'Beti Padhao' movement in early 1840s. She worked for the upliftment of girls from poor & marginalized communities including Dalits & Muslims and gave away her home to Jyotirao & Savitribai Phule to establish the first ever school for girls in India way back in 1848.

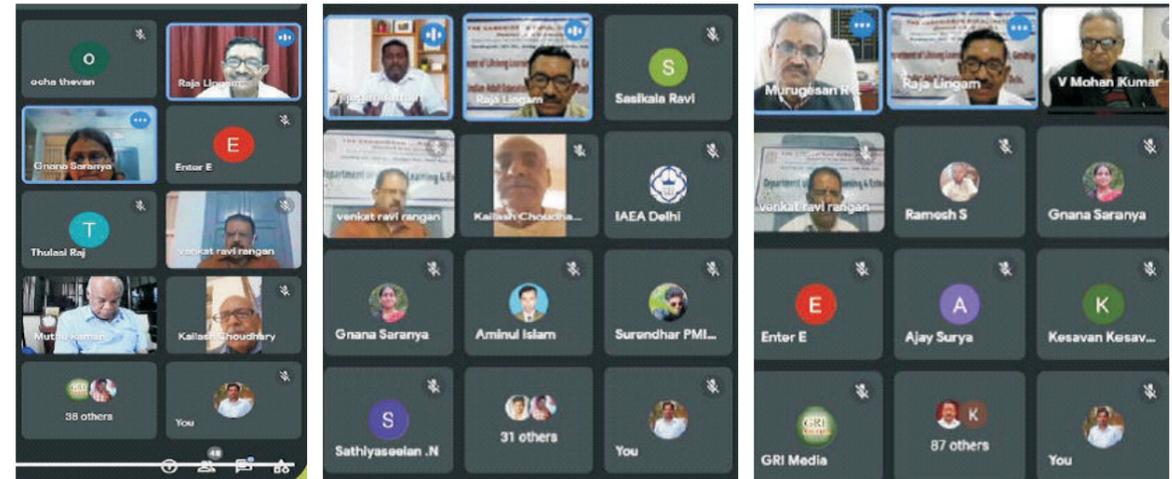


## Prof V.Reghu Nominated as National Vice-President of AIAER

Prof V.Reghu, Executive Member of Indian Adult Education Association has been nominated as the National Vice President of All India Association for Educational Research (AIAER) with his Headquarters at Bhubaneswar. AIAER is well known for its working in the wider field of Educational Research in India, in collaboration with similar international organizations.



## Special Lecture Series on Role of HEIs in Extension and Community Outreach Programmes



The Department of Lifelong Learning and Extension, Gandhigram Rural Institute (Deemed to be University), Gandhigram in collaboration with the Indian Adult Education Association, New Delhi jointly organized a three days Special Lecture Series in virtual mode from December 8-10, 2021 which was attended by a large number of scholars from across the country along with the Members of Faculty, GRI.

The programme was formally inaugurated by Prof. T. T. Ranganathan, Vice-Chancellor In-Charge, GRI on December 8, 2021. Delivering the Presidential Address Dr. Ranganathan highlighted the need for community engagement and extension for the benefit of mutual learning. He opined that all the Higher Education Institutions (HEIs) owes social responsibility towards the people living around them and hence, they should come forward to serve community in whatever ways it is possible.

The welcome address was delivered by Prof.L.Raja, Professor and Head, Department of Lifelong Learning and Extension, GRI and President, IAEA, New Delhi. Treating extension and community engagement as a significant component of Lifelong Learning Dr. Raja said that these instruments need to be used to transform the life of people. Speaking on the occasion Shri K. C. Choudhary, Chief Adviser, Indian Adult Education Association, New Delhi

highlighted the need to explore innovative ways so that research findings can be utilized for the benefit of the common man. Smt. Kalpana Kaushik, In-charge Director, Indian Adult Education Association, New Delhi delivered Presidential Address in the session covering "Youth for Rural Reconstruction: Role of University in Community Engagement". She highlighted the need to create educational infrastructure by HEIs for providing adequate skill opportunities to the rural youth.

Apart from Presidential and Welcome address a number of special lectures were delivered during these three days by invited academicians to cover the prime theme "Role of Higher Education Institutions in Extension and Community Outreach Programmes" which are as follows:

1. "Strategies to face Rural and Agricultural Extension" by Prof. P. Muthuraman, Principal Scientist and Head, Training and Technology Transfer, ICAR, Indian Institute of Rice Research, Rajendranagar, Hyderabad.
2. "Youth for Rural Reconstruction: Role of University in Community Engagement" by Dr.J.Jeganaathan, Sr. Assistant Professor, Department of National Security, Central University of Jammu, J&K.

3. "Need for Skill Development and Empowering the Youth" by Prof. L. Raja, Professor and Head, Department of Lifelong Learning and Extension, GRI and President, IAEA, New Delhi.

4. "University for Corporate Partnership towards Sustainable Development" by Dr. V. Mohankumar,

Coordinator, J.S.S. Academy of Technical Education, Noida and former Director, Directorate of Adult Education, Government of India, New Delhi and Dr. R. Murugesan, Director, North Eastern Regional Centre, National Institute of Rural Development & Panchayati Raj, Ministry of Rural Development, Guwahati.

Entire programme was coordinated by Prof. L.Raja and Smt. Kalpana Kaushik along with Dr. R. Venkata Ravi, Dr. S. Ramesh and Dr. S. Gnanasaranya from Department of Lifelong Learning and Extension, GRI. Dr. R. Venkata Ravi, Associate Professor, GRI and Programme Coordinator proposed the Vote of thanks.

"Education is not the learning of facts, but the training of the mind to think"

- Albert Einstein

## महू में 41वें बाल महोत्सव का भव्य आयोजन



प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महू में बाल महोत्सव समिति के तत्वाधान में बाल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। 41वें बाल महोत्सव का



उद्घाटन समारोह 14 नवंबर 2021 को स्थानीय नेहरू स्टेडियम, महू में आयोजित हुआ जिसमें भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के मुख्य परामर्शदाता श्री कैलाश चौधरी एवं महासचिव श्री सुरेश खण्डेलवाल सहित नगर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। समारोह का उद्घाटन श्री चौधरी द्वारा पं. नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया



गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए प्राथमिक स्तर की एकल नृत्य स्पर्धा ऑनलाइन अयोजित की गई जिसमें 17 विद्यालयों के छोटे-छोटे



बच्चों ने नृत्यकला का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रस्तुतियों का मूल्यांकन श्रीमती वंदना जायसवाल एवं श्रीमती रूपल मेठी

द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह का संचालन श्री राजेश पाटीदार ने किया।

इस महोत्सव का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 24 नवंबर 2021 को श्री जय गोविन्द गोपीनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सुसज्जित ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। श्री विद्या सागर स्कूल, इन्दौर के प्राचार्य श्री दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में समपन्न इस समारोह में कार्यक्रम के मुख्य आतिथि महू छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी श्री राजेन्द्र जगताप, उप-अधिशासी अधिकारी श्रीमती माधवी भार्गव, सचिव शिक्षा समिति श्री अशोक मेवाड़ा,



विद्यालय के प्राचार्य श्री जयसिंह पंवार तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री सुरेश खण्डेवाल भी पदासीन थे।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री जगताप ने देश के मौलिक विकास में पं. जवाहरलाल नेहरू के योगदानों का स्मरण दिलाया जिसके रास्ते चल हम आज आजादी का अमृत महोत्सव मना पा रहे हैं। वर्ष 1981 से लगातार आयोजित हो रहे इस महोत्सव के अनुभवों को याद करते हुए प्राचार्य श्री दिनेश शर्मा ने कहा कि यह बाल महोत्सव बच्चों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है जिससे कि वे अपनी प्रतिभा का बहुमुखी विकास करते हुए अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकें।

बाल महोत्सव की पृष्ठभूमि की जानकारी देते हुए भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के संयुक्त सचिव श्री मृणाल पंत ने कहा कि पं. जवाहरलाल नेहरू से प्रेरणा लेकर बाल महोत्सव समिति ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताएं प्रारंभ कर महू के प्रतिभागियों को मंच प्रदान किया है। इन प्रतियोगिताओं से निखरी प्रतिभाओं ने भारत में ही नहीं वरन् विश्व में भी महू का नाम रोशन किया है।

समारोह में बाल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित उच्चतर, माध्यमिक और

प्राथमिक स्तर की 12 प्रतियोगिताओं में 13 विद्यालयों के 36 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार श्री जय गोविन्द गोपीनाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने प्राप्त किया। इस अवसर पर महू की प्रतिभावान रंगोली कलाकार सुश्री प्राची शर्मा का अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती बनीता खरे एवं छात्रों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

समिति की ओर से अतिथियों का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत श्री विमल चंद जैन एवं श्री जय गोविन्द गोपीनाथ विद्यालय की ओर से श्री जय सिंह पंवार, श्रीमती स्मिता तलेगावंकर एवं श्री पुनीता श्रीवास ने किया। पुरस्कार संबंधित जानकारी श्रीमती आरती यादव ने दी। अतिथि परिचय एवं कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती वंदना दुबे ने किया तथा आभार प्रदान अध्यक्ष

श्री सुरेश खण्डेलवाल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुश्री ऋतु त्रिवेदी, श्री कमलेश मिश्रा, श्री मनीश गुप्ता, श्री राजेश पाटीदार, श्री सदाशिव दुबे, सुश्री पूर्णिमा सेठ, श्रीमती पूर्णिमा अवस्थी, श्री दिनेश जादम तथा श्री अजय यादव का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महू नगर के गणमान्य नागरिक श्री कैलाश चौधरी, श्री सतीश अग्रवाल, श्रीमती निर्मला यादव, श्रीमती करुणा लोहरिया, श्री विजय कुमार विजयवर्गीय, श्री रामलाल प्रजापति, श्री रवि शंकर दुबे, श्री गोविन्द शर्मा, श्री दिनेश दुबे, श्री अशोक पंवार, श्री सुनील मित्तल, श्री पवन तिवारी एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं पुरस्कृत विद्यार्थियों के अभिभावकगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

## वंचित वर्ग के विद्यार्थियों की मदद हेतु कार्यक्रम



वंचित वर्ग के विद्यार्थियों की मदद हेतु जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति, कोटा द्वारा दिनांक 7 दिसंबर 2021 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बोराबास में सामान्य समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री आर.पी.गुप्ता, अध्यक्ष,

भविष्य के निर्माण हेतु छात्रों के समुचित विकास को शिक्षकों एवं समाज का पुनीत कर्तव्य बताया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.शोभा मिश्रा, समिति सचिव श्री राजीव मल्होत्रा तथा भामाशाह डॉ. विभा

दलाल एवं हिमांशु दलाल द्वारा भी प्रतिभागियों को संबोधित किया गया एवं सर्दी से उनकी बचाव के लिए गर्म स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी आदि, वितरित की गई। तत्पश्चात सभी उपस्थित छात्र/छात्राओं, विद्यालय के स्टाफ तथा अतिथियों ने सहभोज में भाग लिया। समारोह को सफल बनाने में समिति समन्वयक श्री हेमराज प्रतिहार एवं श्री गणेश प्रतिहार का विशेष सहयोग रहा।

अन्त में विद्यालय के प्राचार्य श्री मोहनलाल बैरवा द्वारा सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

— राजीव मल्होत्रा

सचिव, जिला प्रौढ़ शिक्षण समिति, कोटा

## Congratulations for IAEA Staff Members



In a meeting held on December 18, 2021 at IAEA Headquarters the Office Bearers of IAEA including President Prof. L. Raja, General Secretary Shri Suresh Khandelwal, Shri K.C. Choudhary, Principle Advisor and Shri Rajendra Joshi, Member EC congratulated all the

members of staff on successful completion of the time bound study entitled "Survey on Skill Mapping in JJ Clusters in East Delhi" assigned to IAEA by the Directorate of Economics and Statistics, Government of National Capital Territory of Delhi. Speaking on

the occasion Prof. Raja appreciated the report in its totality. He also underlined the need of organized team effort for ensuring quality which is the demand of the day and wished that all the staff members will work hand in hand to maintain the same spirit.